दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 161/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 7 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

मप्र केबिनेटः युवाओं और किसानों पर फोकस

मोहन सरकार शुरू करेगी ज्ञान पर ध्यान योजना

भोपाल। सोलहवां वित्त आयोग मध्यप्रदेश आ रहा है, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने निर्देश दिए कि सभी विभाग इसकी तैयारी करें। प्रदेश में स्वामी विवेकानंद जयंती पर ज्ञान पर ध्यान योजना शुरू की जाएगी, जिसमें युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ बेहतर रोजगार दिया जाएगा। इसके लिए शिक्षा और युवाओं से संबंधित विभागों की कमेटी बनाई गई है। इसके अलावा मप्र डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच अनुबंध होगा, जिससे प्रदेश के किसानों की आय बढ़गी और सांची ब्रांड पूरे देश में लोकप्रिय हो सकेगा।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज राज्य मंत्रालय में केबिनेट की बैठक हुई। वंदेमातरम के गायन के बाद वित्त आयोग को लेकर चर्चा हुई। केबिनेट की जानकारी देते हुए नगरीय प्रशासन विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि सोलहवां वित्त आयोग मध्यप्रदेश आ रहा है, अरविंद पनगढ़िया इस आयोग के अध्यक्ष हैं। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से कहा कि इसके लिए अपनी-अपनी तैयारी करें, ताकि आयोग के सामने बेहतर प्रजेंटेशन किया जा सके।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में ज्ञान पर ध्यान योजना शुरू की जा रही है। इसके तहत युवाओं को गुणवत्ता वाली शिक्षा, स्किल विकास इसके लिए एक कमेटी उच्च शिक्षा विभाग, कौशल विभाग, तकनीकी शिक्षा और युवा कल्याण विभाग मिलकर योजना बनाएंगे। स्वामी विवेकानंद जयंती से इसे लागू किया जाएगा। याुवाओं को बेहतर रोजगार कैसे मिले, इस पर विचार होगा। इसमें युवाओं पर फोकस रहेगी, सीएम इसे मिशन के रूप में ले रहे हैं। सीएम ने सभी मंत्रियों से कहा है कि इस पर पूरा फोकस करें। इसका उद्देश्य युवाओं से संवाद बढ़ाना, क्षमता बढ़ाना, आत्मविश्वास बढ़ाना है। जहां वित्त की व्यवस्था करनी होगी, करेंगे।

स्वामी विवेकानंद शक्ति मिशन

स्वामी विवेकानंद जयंती पर स्वामी विवेकानंद शक्ति मिशन शुरू करना चाह रहे हैं। रोजगार से जोड़ने की कोशिश सरकार की हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। नौकरी देने वाला युवा होना चाहिए। 12 तारीख से यह शुरू हो जाएगा। मूल रूप से तकनीकी शिक्षा कौशल विभाग हेड करेंगे।

श्री विजयवर्गीय ने बताया कि बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई कि किसानों से संबंधित जितने भी उपक्रम हैं, उनके माध्यम से उनकी आय में कैसे वृद्धि कर सकते हैं। मप्र डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच एक अनुबंध कर रहे हैं। हम प्रोफेशनल लोगों को जोड़ेंगे। सांची ब्रांड देश भर में अपनी पहचान बना सके, इस पर फोकस। किसान इससे अपनी आय बढ़ा सकता है। कलेक्शन केंद्रों की संख्या बढाएंगे। पशुओं को खरीदने के लिए लोन बढ़ाएंगे। 53 हजार गांव हैं, कोशिश रहेगी कि हर गांव में एक सहकारी समिति बनाई जाए। उन्होंने बताया कि अगले पांच सालों के अंदर सहकारी समितियों की संख्या बढ़ाई जाएगी और सहकारी समितियों से कुल वार्षिक आय 1700 करोड़ से बढ़कर 3700 करोड़ हो जाएगी।

यूनियन कार्बाइड कचरे को लेकर पूछे गये सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा- हम न्यायालय की मंशा के अनुसार लोगों को समझाने की कोशिश करेंगे। यह कचरा अब उतना खतरनाक नहीं बचा, लोगों को बताएंगे कि इसमें कौन सी गैस निकलेगी, मैं समझता हूं कि लोग समझेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आर्गेनिक उत्पादों को ठीक बाजार मिले, इसके लिए सरकार कोशिश करेगी।

यूनियन कार्बाइड कचरे पर भी हुई चर्चा

5 साल के लिए 1500 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया जाएगा। 6000 समितियां को 9000 तक पहुंचाने के लिए सरकार काम कर रही है। 1700 करोड रुपए सांची ब्रांड की आय होगी। भोपाल गैस कांड के कचरे जलाए जाने को लेकर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया है, सामाजिक लोगों से भी चर्चा की जाएगी। बुद्धिजीवी और जो गलतफहमी में है उनसे भी चर्चा की जाएगी। सांची के लिए भी हम प्रोफेशनल लोगों को लेकर आ रहे हैं। कचरे को लेकर भी बेहतर तरीके से निष्पादन हो सके इसके लिए भी एक्सपर्ट की जरूरत होती है, क्योंकि प्रोफेशनलिज्म का जमाना है।

दिल्ली में किसानों से मिले कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ...मैंने अभी कृषि मंत्रियों की बैठक बुलाई, दिल्ली में कोई कृषि मंत्री नहीं है। किसानों की फसल खराब हो जाती है इसके लिए फसल बीमा योजना है लेकिन दिल्ली में फसल बीमा योजना नहीं है, यह योजना अधिकांश राज्यों में लागू है... दिल्ली के किसान जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित हैं, आज किसानों ने मुझे यह बताया। मैंने इस पर आतिशी को पत्र भी लिखा... कई बार प्राकृतिक आपदाओं में फसलें नष्ट हो जाती हैं लेकिन यहां तो आपकी(क्क) सरकार किसानों पर आपदा बनकर टूटी है। मैं दिल्ली सरकार से अपील करता हूं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में किसानों का नुकसान न करें।

आतंकवाद लोकतंत्र के लिए नासूर है, इसकी फंडिंग और भी खतरनाकः शाह

दिल्ली में इंटरपोल से राज्य पुलिस को जोड़ने का पोर्टल भारतपोल लॉन्च किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार सुबह दिल्ली में भारतपोल पोर्टल लॉन्च किया। इस दौरान शाह ने कहा- आतंकवाद, लोकतंत्र, मानवाधिकार, आर्थिक

प्रगति और विश्व शांति के खिलाफ सबसे बड़ा नासूर है, जिसे हमें जीतने नहीं देना है।

उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। आतंकवाद की फंडिंग कहीं अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह फंड आतंकवाद को पोषित करके दुनिया के अर्थतंत्र को कमजोर करता है।

शाह ने कहा कि भारतपोल हमारे देश की अंतर्राष्ट्रीय जांच को एक नए युग में ले जाएगा। पहले छ्ब्द्ध एकमात्र एजेंसी थी जो इंटरपोल के साथ काम करने के लिए पहचानी गई थी, लेकिन अब भारतपोल के जरिए हर भारतीय एजेंसी और सभी राज्यों की पुलिस आसानी से इंटरपोल से जुड़ पाएगी।

गृह मंत्रालय ने बताया कि भारतपोल पोर्टल को छ्ब्द्ध ने बनाया है। इससे भारत की अलग-अलग जांच एजेंसियों को अपनी जांच के लिए इंटरनेशनल पुलिस से तुरंत मदद मिलेगी। इस पोर्टल के जरिए राज्यों की पुलिस भी विदेश भाग चुके अपराधियों और उनके क्राइम की डिटेल्स इंटरपोल से मांग सकेंगी।

नक्सली हमले में 9 शहीद, गृहमंत्री शाह ने कहा- लाल आतंक के खात्मे की डेडलाइन तय

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए हमले में 9 जवान शहीद हो गए हैं। इस हमले को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गहरा शोक व्यक्त किया और शहीद जवानों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताई। अमित शाह ने कहा, एक आईईडी विस्फोट में हमारे बहादुर जवानों के बलिदान की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस शोक को शब्दों में व्यक्त करना असंभव है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

उन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि नक्सली गतिविधियों से मुकाबला करने के लिए सुरक्षा बलों की रणनीति को और अधिक मजबूत किया जाएगा। यह हमला बीते दो वर्षों में सुरक्षाबलों पर किया गया सबसे बड़ा हमला है और साल 2025 का पहला बड़ा नक्सली हमला था। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि यह घटना केंद्र सरकार और राज्य सरकार के लिए एक और कारण बन गई है, जिसके जरिए नक्सलवाद के खिलाफ मुहिम को और तेज किया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव- 5 फरवरी को वोटिंग, नतीजे 8 को

नई दिल्ली। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर चुनावों का एलान हो गया है। दिल्ली में एक चरण में पांच फरवरी को मतदान होगा। आठ फरवरी को मतगणना होगी। डेढ़ करोड़ वोटरों के लिए 13 हजार बूथ बनाए जाएंगे। 2024 में 8 राज्यों में चुनाव हुए और लोकसभा चुनाव हुए। विश्व में मैक्सिमम वोटिंग का रिकॉर्ड हमारे पास बना। वायलंस फ्री इलेक्शन और महिलाओं की भागीदारी की रिकॉर्ड बना। एक और मुकाम हम हासिल करने वाले हैं। हम 99 करोड़ वोटर्स को पार कर रहे हैं। हम एक अरब वोटर्स वाला देश बनने वाले हैं। ये एक वर्ल्ड रिकॉर्ड होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर यह मेरी आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिल्ली चुनाव पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लोकसभा चुनाव में नया रिकॉर्ड बना। हिंसा मुक्त चुनाव कराए गए। युवा लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाएं। ज्यादा से ज्यादा मतदान की अपील है। राजीव कुमार ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर यह मेरी आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस है।

एजेंट के सामने सील की जाती हैं ईवीएम

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि एजेंट के सामने ईवीएम सील की जाती हैं। एजेंट के सामने ईवीएम में चुनाव चिन्ह डाले जाते हैं। सात से आठ दिन पहले चुनाव चिन्ह डाले जाते हैं। हर दल को इसकी जानकारी दी जाती है। ईवीएम की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है। ईवीएम मेंअवैध वोट की संभावना नहीं है।

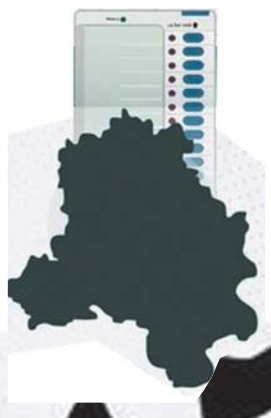

13 हजार से ज्यादा पोलिंग बूथ

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि 13 हजार से ज्यादा पोलिंग बूथ हैं। दिल्ली में कुल एक करोड़ 55,24,858 मतदाता हैं। इसमें पुरुष मतदाता 85,49,645 हैं, जबकि 71,73,952 महिला मतदाता हैं।

शक का इलाज किसी के पास नहीं

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि मतदाता मतदान में हेराफेरी का हौवा है। शाम पांच बजे के बाद वोटर में वृद्धि पर गलत बयानबाजी है। लोकसभा और महाराष्ट्र चुनाव में करोड़ों मतदाताओं के नाम गलत तरीके से जोड़े जाने के आरोप लगे। शक का इलाज किसी के पास नहीं है। वोटिंग पर झूठ के गुब्बारे न उड़ाएं। गड़बड़ी की शिकायत का हम जवाब देंगे।

कोरोना जैसे एचएमपीवी वायरस के 8 केस, सभी बच्चे

नई दिल्ली। कोरोना जैसे एचएमपीवी वायरस के केस बढ़कर 8 हो गए हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है। दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है।

इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। सभी पीड़ित बच्चे

हैं। देश के 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह वायरस सामान्य है और इससे डरने की जरूरत नहीं है।

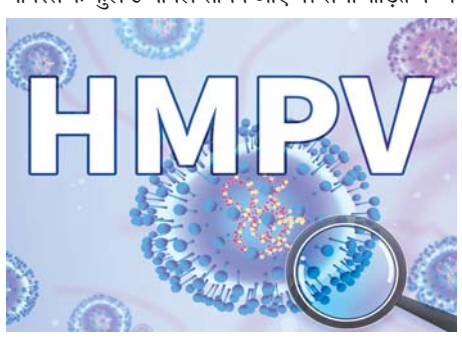

अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे को तबीयत खराब होने पर 15 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। उस बच्चे को सर्दी और तेज बुखार था। शुरुआत में 5 दिन तक उसे वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। इसके बाद हुई जांचों में वायरस के संक्रमण का पता चला। कर्नाटक के दोनों केस के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बच्चे रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया कि बच्चों के सैंपल निजी अस्पताल में जांचे गए और उन्होंने सरकारी लैब में जांच नहीं कराई।

वायरस के लक्षण कोविड जैसे, छोटे बच्चों पर सबसे ज्यादा असर

एचएमपीवी वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

असम-खदान में 36 घंटे से फंसे 15 मजदूर, सेना पहुंची

गुवाहाटी। असम के दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो में 300 फीट गहरी कोयला खदान में सोमवार को अचानक पानी भर गया था, जिससे 15 मजदूर अंदर फंस गए। मजदूरों के फंसने की सूचना 36 घंटे पहले सोमवार सुबह करीब 7 बजे मिली थी।

अब इन मजदूरों के रेस्क्यू में सेना को लगाया गया है। ह्छ्त्रस्न्न और स्छ्त्रस्न्न की टीम भी मदद कर रही है। असम के माइनिंग मिनिस्टर कौशिक राय घटनास्थल पर मौजूद हैं।

भारतीय सेना और असम राइफल्स के गोताखोर और मेडिकल टीम के साथ इंजीनियर्स टास्क फोर्स रेस्क्यू में शामिल हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये रैट माइनर्स की खदान है। इसमें 100 फीट तक पानी भर गया है, जिसे दो मोटर की मदद से निकाला जा रहा है।

तिब्बत में 6.8 तीव्रता वाले भूकंप ने मचाई तबाही, 53 लोगों की मौत

नई दिल्ली। तिब्बत में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये। इस भीषण भूकंप में 53 से अधिक लोगों की मौत हो गई। जबकि 62 लोग घायल हुए हैं। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार मंगलवार सुबह 9ः05 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.8 मापी गयी।

चीन की सरकारी मीडिया मुताबिक तिब्बत के शिजांग शहर के डिंगरी काउंटी में 6.8 तीव्रता के भूकंप में 53 लोगों की मौत हुई है। 62 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में 28.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87.45 डिग्री पूर्वी देशांतर में था। इससे पहले नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही तिब्बत क्षेत्र के शिजांग में भूकंप झटके महसूस किए जा रहे हैं। यहां सुबह 6ः30 बजे 7.1 तीव्रता के साथ 10 किमी गहराई पर भूकंप आया। इसके बाद 7ः02 बजे 4.7 तीव्रता, 07ः07 बजे 4.9 तीव्रता और 7ः13 बजे पांच तीव्रता का भूकंप आया। इसके चलते लोग घरों को छोड़कर खुले स्थानों की ओर चले गए।

आईपीएस आबिद खान होंगे डीआईजी, सीआईएसएफ

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने एमपी कैडर के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी आबिद खान को डीआईजी, सीआईएसएफ में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ किया है। इस संबंध में आदेश 4 जनवरी 2025 को जारी किये गये।

डोनाल्ड ट्रंप का बाइडन पर बड़ा आरोप, कहा- वह सत्ता के हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की कर रहे हरसंभव कोशिश

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेंगे। इससे पहले, रिपब्लिकन नेता ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रंप का कहना है कि डेमोक्रेटिक नेता सत्ता के हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हाल के दिनों में जलवायु और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर बाइडन के कार्यकारी आदेशों का उदाहरण देते हुए यह आरोप लगाया।

डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इसी के साथ वह अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में बाइडन की जगह ले लेंगे। रिपब्लिकन नेता ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, 'बाइडन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इसलिए इस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखे गए। 'ग्रीन न्यू स्कैम', धन की बर्बादी के फैसले और हास्यास्पद कार्यकारी आदेश इसके उदाहरण हैं।' उन्होंने कहा, 'डरो मत, ये सभी आदेश जल्द ही समाप्त हो जाएंगे हम सामान्य समझ तथा ताकत वाला देश बन जाएंगे।'

अमेरिकी संसद द्वारा ट्रंप की जीत की पुष्टि किए जाने से कुछ पहले और बाइडन के अमेरिका के अधिकांश तटरेखा पर तेल तथा प्राकृतिक गैस के लिए खोदाई पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद उनका यह बयान आया।

भारत में 1500 किलोमीटर लंबा घना कोहरा छाया, मध्य प्रदेश भी चपेट में

नई दिल्ली। भारत में आज कोहरे की जबरदस्त चादर छाई। रात से लेकर सुबह तक कोहरा पाकिस्तान के लाहौर से लेकर जम्मू, पंजाब, नई दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के उत्तर पूर्व, मध्य प्रदेश, बिहार तक 1500 किलोमीटर लंबे एरिया में घने रूप से छाया रहा। असर झारखंड के उत्तर पश्चिमी और छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग तक रहा है। मध्य प्रदेश में कोहरे की मार आज दक्षिण भाग छोड़कर बाकी एरिया में पड़ी है। प्रदेश में ग्वालियर से सागर, सतना, रीवा, जबलपुर, रायसेन, तो राजगढ़ से इंदौर, धार, देवास, भोपाल बेल्ट तक कोहरा फैला रहा।

तापमान और गिरेगा- वेदर चैनल टाइम एंड डे का अनुमान माने तो मध्य प्रदेश में आज 3 डिग्री पारा कम रहेगा। दिन से लेकर रात तक ठंड का गहरा असर होगा। अधिकतम न्यूनतम तापमान ग्वालियर में 20- 9, भोपाल, इंदौर और तथा जबलपुर में 22- 8 डिग्री रहेगा। लेकिन कल 8 जनवरी को न्यूनतम पारे में 2 से 4 डिग्री की और गिरावट रहेगी। इसके अनुसार कल जबलपुर में 4, ग्वालियर में 7, भोपाल और इंदौर में 5 डिग्री तक जा सकता है।

भारत में पश्चिमी विक्षोभ- भारत के पश्चिम द्वार से आ रहा विक्षोभ अगले 3 दिनों में शुक्रवार शनिवार को उत्तरी भाग के लद्दाख, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, देहली तक प्रभावित करेगा।

प्रदेश में सर्दी का दूसरा दौर, आज से गिरेगा तापमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर फिर शुरू होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आज यानी 7 जनवरी से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। शीतलहर भी चल सकती है। 2 दिन तक ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग में घना कोहरा रहेगा। 12 जनवरी से कुछ जिलों में हल्की बारिश होने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही हैं। सोमवार को 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 204 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चलती रहीं। आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी, जिससे हवा की रफ्तार तेज होगी और प्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा। 20 से 22 दिन तक शीतलहर चलने का अनुमान है।

इस सप्ताह ऐसा रहेगा मौसम- उत्तरी हवा का असर तेज होने से दिन-रात के तापमान में गिरावट आएगी। 7 जनवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, नीमच, मंदसौर, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी और सिंगरौली में मध्यम से घना कोहरा रहेगा। 8 जनवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी और सिंगरौली में मध्यम से घना कोहरा रहेगा। 9 जनवरी को प्रदेश में कोहरा छाने का अनुमान नहीं है। ठंड का असर बढ़ा रहेगा। उत्तर-पश्चिम भारत में 10 जनवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा। इसके असर से 12 जनवरी से बूंदाबांदी हो सकती है।

प्रदेश में सबसे ठंडा छतरपुर का नौगांव- मध्यप्रदेश में सबसे ठंडा छतरपुर जिले का नौगांव है। रविवार-सोमवार की रात नौगांव में पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंडला में 8.8 डिग्री, टीकमगढ़ में 9 डिग्री, गुना, मलाजखंड, शिवपुरी में 9.3 डिग्री, राजगढ़ में 9.4 डिग्री तापमान रहा। पचमढ़ी, खजुराहो, रायसेन, दमोह, सागर, रीवा, सतना और उमरिया में पारा 12 डिग्री से नीचे रहा।

युवा शक्ति की सहभागिता से होगा विकसित भारत का निर्माण : सारंग

3 दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ, प्रधानमंत्री की उपस्थिति में चयनित दल देंगे प्रस्तुति

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी युवा शक्ति को प्रोत्साहन देने के निरंतर प्रयास हो रहे हैं। आज का युवा न केवल राष्ट्र का वर्तमान है, बल्कि कल का नेतृत्वकर्ता भी है। विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा, जब हमारे युवा अपनी ऊर्जा, संकल्प और सृजनशीलता को राष्ट्रहित में लगाएंगे। सारंग ने कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों के साथ अपने कर्त्तव्यों के प्रति भी सजग रहना होगा। देश के प्रति समर्पण की भावना और कर्तव्य का बोध ही वह आधार है, जो हमारे युवाओं को अद्वितीय बना सकता है।

मंत्री सारंग सोमवार को भोपाल स्थित तात्या टोपे स्टेडियम में 28वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। यह उत्सव 8 जनवरी तक चलेगा। इसमें प्रदेश के 10 संभागों से 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के लगभग 350 युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस राज्य स्तरीय युवा उत्सव के विजेता 11-12 जनवरी को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में भाग लेंगे।

मंत्री सारंग ने युवाओं का आहवान करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ दें, जिससे मानव जाति उन्हें सदैव याद रखे। युवा उम्र से नहीं जज्बे से होते है। युवा शक्ति ही देश में नये आयाम स्थापित करती है। समाज और राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की महती भूमिका है। सारंग ने युवाओं को पर्यावरण, पानी और बिजली बचाने का भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से ही सफलता अर्जित की जा सकती है। ईमानदारी और अनुशासन के साथ संयम की भी जरूरत है। अपने दायित्व निर्वहन करना ही जिम्मेदारी है। युवाओं में कर्तव्य बोध होना बहुत जरूरी है। सशक्त और संस्कारी युवा ही मध्यप्रदेश और देश की पहचान बने।

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा उत्सव का समापन

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव का समापन 8 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जो 12 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। 28वां राष्ट्रीय युवा उत्सव इस वर्ष 10 से 12 जनवरी 2025 को नई दिल्ली के भारतमंडपम में आयोजित किया जा रहा है। इसमें देशभर के 15 से 29 वर्ष के लगभग 7500 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महोत्सव में स्वयं उपस्थित रहेंगे और युवाओं से संवाद करेंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन %पंच प्राण% और %आजादी के अमृत महोत्सव% के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश के युवा प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन कर सकें। प्रदेश में जिला, संभाग और राज्य स्तर पर आयोजित इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस महोत्सव के जरिए युवा प्रतिभाओं को सशक्त मंच उपलब्ध कराना और उन्हें देश की प्रगति में योगदान के लिए प्रेरित करना मुख्य उद्देश्य है। इस आयोजन में समूह लोक गीत, समूह लोक गायन, पेंटिंग, भाषण, विज्ञान मेला, कहानी लेखन और कविता लेखन जैसी 7 विधाओं में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। राज्य स्तरीय युवा उत्सव के विजेता 8 जनवरी की रात्रि को भोपाल से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां वे 12 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में भाग लेंगे।

युवा उत्सव प्रतिभाओं को निखारने में सहायक

अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा कि युवा उत्सव प्रतिभाओं को निखारने में सहायक सिद्ध होगा। युवाओं में युवा उत्सव की भावना केवल उत्सव तक ही सीमित न रहे बल्कि जीवन में ऊर्जा और उमंग के साथ हमेशा बनी रहे। खेल उत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर समूहों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रम में संचालक रवि कुमार गुप्ता और संयुक्त संचालक बी.एस. यादव सहित सभी संभाग से आये युवा, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। मंत्री सारंग ने सभी संभाग के समूहों के साथ ग्रुप फोटो भी निकलवाया।

गोड समाज का गोल गांव में परिवार मिलन समारोह संपन्न

भोपाल। गोड समाज द्वारा गोल गांव में परिवार मिलन सम्मान समारोह संपन्न हुआ। जिसमें समाज के प्रदेश भर से धर्माचार्य शामिल हुए मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपत्ति उईके विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित हुए गौर महासभा के अध्यक्ष बि एस प तेती ने बताया कि बड़ा देव पेठाना गांव में सभी समाज के लोगों का तिलक और फुल बुक महिलाओं से स्वागत भी किया गया आज इस अवसर पर सभी पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित होकर परिवार मिलन समारोह मनाया गया।

भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा का नव वर्ष मिलन समारोह आयोजित

भोपाल। भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा मप्र के तत्वाधान मेँ राहतगढ़ साहू समाज द्वारा नव वर्ष मिलन समारोह सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू, केबिनेट मंत्री दर्जा रविकरण साहू,पूर्व विधायक पारुल साहू,प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती भावना साहू, जनगणना प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक सत्येंद्र साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंग, मेवालाल साहू, राजनैतिक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक जगन्नाथ गुरीइया, राष्ट्रीय महामंत्री पूनम साहू कार्यक्रम आयोजक देवेंद्र साहू मुरारी साहू सहित सभी अतिथियों ने सर्व प्रथम माँ कर्मा देवी जी की पूजा अर्चना कर दीप प्रजवलित किआ. सांसद विवेक साहू ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सब एकजुटता से काम करें. रविकरण साहू ने कहा कि तेलघानी बोर्ड द्वारा बहुत जल्द प्रदेश से लेकर गांव गांव तक तेलघानी बनाकर पुराने तेल उत्पाद को बढ़ाएंगे.श्रीमती पारुल साहू ने कहा कि मैँ अतिथि नहीं मैँ आपके परिवार की आपकी बेटी के रूप मैँ आई हूँ. समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए बच्चों की पढ़ाई के लिए पिता जी संतोष साहू के नाम से ट्रस्ट बनाया है उससे निशुल्क शिक्षा दी जाएगी सकालरशिप दी जाएगी।

मंत्री सारंग एवं विधायक सबनानी ने बालिस्ता रावत की पोती को दी जन्मदिन पर शुभकामनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री तथा दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी, वार्ड 73 शिवनगर कालोनी यादव शादी हॉल में आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम में उपस्थित होकर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत की पोती पूर्वंशी रावत (परी) को दी शुभकामनायें तथा उपहार ।

संत गोकुल दास बाबा की जयंती पर वृद्ध आश्रम में भोजन वितरण किया

भोपाल। प्रगतिशील श्री कर्मयोगी बसोर समाज विकास संगठन द्वारा अन्य त्यागी महर्षि 108 श्री गुरु गोकुल दास महाराज जी का 118 वा जन्म दिवस आसरा अपना वृद्ध आश्रम में मनाया गया इसके उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल गुरु नानक मंडल के यशस्वी मंडल अध्यक्ष श्री राकेश कुकरेजा जी उपस्थित रहे उनके द्वारा वृद्ध जनों में भोजन वितरण कर गुरु महाराज जी का जन्मदिवस मनाया गया एवं बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया उनके अलावा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शारदा प्रसाद बम्हन जी कार्यक्रम में उपस्थित थे कार्यक्रम आयोजक श्री विशाल बिछेले वंशकार संगठन के मध्यप्रदेश अध्यक्ष ,एवं गुरु नानक मंडल युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष नितिन बमन,राहुल केमैया ,जितेंद्र ठाकुरिया ,भानु भवानी ठाकुर, दीपक यादव उर्फ बंटी ,अमित शिक्रवारे ,अरुण रघुवंशी ,धीरज बिछेले ,प्रिंस कनर्जी, आकाश मकोरिया, गज्जू कुशवाहा आदि

दिसंबर तक रेल रैक से 2 लाख मीट्रिक टन से अधिक फ्लाई ऐश परिवहन

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने आज नये वर्ष में विद्युत गृह से निकलने वाली फ्लाई ऐश का 100 वां रेल रैक रवाना कर महत्वपूर्ण उपलब्धि? हासिल की। यह मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की फ्लाई ऐश के सदुपयोग, रि-साईकिल व निबटारा करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर में चालू वित्तीय वर्ष में दिसंबर माह तक 102 फीसदी तक फ्लाई ऐश का सदुपयोग किया जा चुका है। बिरसिंगपुर से निकलने वाली फ्लाई ऐश का सदुपयोग सीमेंट व ईंट बनाने और सड़क निर्माण में किया जा रहा है।

फ्लाई ऐश का सदुपयोग कैसे बढ़ाया: वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर का फ्लाई ऐश सदुपयोग 56 फीसदी था। फ्लाई ऐश का सदुपयोग, रि-साइकिल व निबटारे के लिए विभिन्न प्रयास किए गए। परिवहन लागत करने की दृष्टि से सीमेंट कंपनियों तक रेल से ऐश का परिवहन भी शामिल था। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर में पूरी रेल रैक को खड़े करने के लिए पर्याप्त स्थान न होने के बावजूद विद्युत गृह के सिविल सेक्शन व फ्लाई ऐश यूटिलाइजेशन एन्ड डिस्पोजल सेक्शन के अथक प्रयास से 19 अगस्त 2023 को रेल से फ्लाई ऐश परिवहन शुरु कर चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया गया।

2.05 लाख मीट्रिक टन फ्लाई ऐश परिवहन: दो वर्षों से कम समय में अथक प्रयास के उल्लेखनीय परिणाम देखने को मिले। वित्तीय वर्ष 2023-24 में फ्लाई ऐश सदुपयोग 84 प्रतिशत तक बढ़ गया। वहीं चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 (दिसंबर 2024 तक) यह 102 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस अवधि में बिरसिंगपुर ताप विद्युत गृह ने 2.05 लाख मीट्रिक टन फ्लाई ऐश का परिवहन 100 रेल रैक के माध्यम से किया। इस कार्य के संचालन के लिए वैगन टिपलर संभाग के पुराने लोको इंजन का जीर्णोद्धार विभागीय स्तर पर करते हुए इसे विशेष रूप से इसी कार्य के लिए तैयार किया7

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में बढ़े 4 लाख 97 हजार 404 मतदाता

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के संबंध में दी जानकारी, प्रदेश के सभी जिलों में हुआ मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखबीर सिंह ने सोमवार को निर्वाचन सदन भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूचियां प्रदान की गई। सीईओ सिंह ने बताया कि प्रदेश में कुल 230 विधानसभा क्षेत्र और 65 हजार 014 मतदान केंद्र है। सीईओ सिंह ने बताया कि प्रदेश में 29 अक्टूबर 2024 से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ था। इसी दिन से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने और मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हुई थी जो 28 नंवबर 2024 तक चली। दावे आपत्तियों का निराकरण 24 दिसंबर 2024 तक किया गया। मतदाता सूची का प्रदेश के सभी जिलों में अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2025 को किया गया। प्रदेश में मतदाता सूची के प्रारुप प्रकाशन के दौरान मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 65 लाख 94 हजार 963 थी। अंतिम प्रकाशन के दौरान प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 70 लाख 92 हजार 367 है। सिंह ने बताया कि प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान 7 लाख 98 हजार 469 नाम जोड़े गए और 3 लाख 01 हजार 65 नाम हटाए गए। इसी तरह से 3 लाख 13 हजार 642 मतदाताओं के वोटर आईडी कार्ड में संशोधन किया गया। इस तरह से प्रदेश में मतदाताओं की संख्या में 4 लाख 97 हजार 404 की बढ़ोत्तरी हुई है। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे, विवेक श्रोत्रिय, भारतीय जनता पार्टी से एस.एस. उप्पल, कांग्रेस पार्टी से जे.पी. धनोपिया, बहुजन समाज पार्टी से सुधीर, आम आदमी पार्टी से सी.पी. सिंह चौहान उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर देख सकते हैं मतदाता सूची: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कोई भी मतदाता वेबसाइट के माध्यम मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर भी मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते है।

जेंडर रेशियो और इपी रेशियो में हुआ सुधार: मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 अंतर्गत जेंडर रेशियो और इपी रेशियो में भी सुधार हुआ है। मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के दौरान प्रदेश में इपी रेशियो (मतदाता अनुपात) 63.88 था। यह मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के दौरान बढ़कर 64.44 हो गया है।

एलएनसीटी में हुई ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी मलखंब प्रतियोगिता

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय द्वारा एलएनसीटी यूनिवर्सिटी कोलार रोड, भोपाल में आयोजित की जा रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी मलखंब (महिला × पुरुष) प्रतियोगिता 2024-25 महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में अलग-अलग आयोजित की जा रही है । पुरुष वर्ग में रोप मलखंब, पोल मलखंब और हैंगिंग मलखंब तथा इसी प्रकार महिला वर्ग में रोप मलखंब और पोल मलखंब पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में 72 विश्वविद्यालयो ने प्रतिभा किया और अपना-अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपना स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुख्य आकर्षण में यूनिवर्सिटी ऑफ़ मुंबई, नांदेड़, एलएनसीपी ग्वालियर, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, विक्रम यूनिवर्सिटी, सतारा यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने पोल मलखंब पर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में सेकंड राउंड के लिए क्वालीफाई किया। इसी प्रकार महिला वर्ग में रोप मलखंब और पोल मलखंब पर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 16 खिलाड़ियों ने अपने स्थान सेकंड राउंड के लिए क्वालीफाई किया। इस ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी मलखंब प्रतियोगिता में मलखंब के जानेमाने सितारे हिमानी परव अर्जुन अवॉर्डी, बापू समले छत्रपति अवॉर्डी महाराष्ट्र, मुन्ना लाल मामोडिया विक्रम अवॉर्डी, विश्व तेज मोहिते, माया मोहिते छत्रपति अवॉर्डी महाराष्ट्र अपनी अपनी टीम के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभा रहे रैफरी प्रतियोगिता को निष्पक्ष आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में निगम आयोजित किया शिविर

शिविरों में 807 प्रकरण निराकृत किए गए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत नगर निगम द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वंचित नागरिकों तक पहुंचाने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु निगम द्वारा 03 वार्डों में शिविर आयोजित किए गए जिनमें विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित 958 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 807 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। मंगलवार को वार्ड क्रमांक 23, वार्ड क्रमांक 33, वार्ड क्रमांक 01 तथा वार्ड क्रमांक 60 में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत नगर निगम, भोपाल द्वारा सोमवार को जोन क्रमांक 04 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 में आयोजित शिविर में विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित 268 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 129 प्रकरण निराकृत किए गए साथ ही जोन क्रमांक 08 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 29 के शिविर में प्राप्त 337 आवेदनों में से सभी 337 को निराकृत किया गया तथा जोन क्रमांक 19 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 81 में आयोजित शिविर में 353 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 341 प्रकरण मौके पर ही निराकृत किए गए। उक्त शिविरों में स्वीकृत/निराकृत प्रकरणों के लाभार्थियों को हितलाभ भी वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सुनिश्चित कराने हेतु नगर निगम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वार्डों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर शिविरों की जानकारी देकर अपने प्रकरणों का निराकरण शिविर में कराने की समझाइश भी दी जा रही है और शिविरों में बुलाकर उनके प्रकरणों/आवेदनों को स्वीकृत/निराकृत किया जा रहा है। मंगलवार को जोन क्रमांक 05 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 23, जोन क्रमांक 07 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 33, जोन क्रमांक 20 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 01 तथा जोन क्रमांक 14 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 60 में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्तीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीएम-जनमन अभियान के अंतर्गत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट का किया शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्तीकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक कोने तक उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचे, हर ज़िले में मेडिकल कॉलेज हों, अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हों और पर्याप्त स्वास्थ्य अमला हो। उन्होंने कहा कि 46 हज़ार से अधिक स्वास्थ्य अमले की भर्ती के लिये स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने शीघ्र भर्ती प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सशक्त स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा से कोई भी क्षेत्र विकास की छलांग लगाने के लिये तैयार होता है। सशक्त और विकसित प्रदेश के लिये इन क्षेत्रों का सशक्त होना ज़रूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन से 'पीएम जनमन अभियान' के तहत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सहज और सुलभ उपलब्धता का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोबाइल मेडिकल यूनिट्स दुर्गम और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में पहुँचकर आमजन को ओपीडी, रोग निदान, उपचार और दवाइयों जैसी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी। प्रत्येक यूनिट में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से प्रदेश के स्वास्थ्य मानकों में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण के लिये संसाधनों की कमी नहीं होने दी जायेगी। मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिये हम संकल्पबद्ध हैं।

87 विकासखण्डों के 1268 ग्रामों में पहुँचेगी यूनिट: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) से 21 जिलों के 87 विकासखंडों में 1268 ग्रामों के लगभग 3,12,246 लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना में चिन्हित जिले अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, दतिया, डिंडौरी, गुना, गवालियर, कटनी, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, शहडोल, श्योपुर, सीधी, शिवपुरी, जबलपुर, रायसेन, उमरिया और विदिशा शामिल हैं।

मोबाइल मेडिकल यूनिट दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदाय में लायेंगी क्रांतिकारी बदलाव: उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'पीएम जनमन अभियान' के तहत प्रदेश के 21 जिलों के 87 विकासखंडों में 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने का कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वे क्षेत्र जो स्वास्थ्य सेवाओं में पिछड़े और दुर्गम हैं, वहाँ विशेष प्रयासों के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच उत्कृष्ट समन्वय और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त नेतृत्व और प्रगतिशील सोच से सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा, अधोसंरचना विकास और औद्योगिक विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश में नए मानक स्थापित हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वास व्यक्त किया कि स्वास्थ्य विभाग के पूरे अमले के समर्पण और निष्ठापूर्ण प्रयासों से मध्यप्रदेश निश्चित रूप से स्वास्थ्य के विभिन्न मानकों में अग्रणी राज्य बनने में सफल होगा।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के लाभ: प्रत्येक मोबाइल मेडिकल यूनिट में प्रशिक्षित मानव संसाधन, जिसमें एक डॉक्टर, नर्स, एएनएम/एमपीडब्ल्यू, लैब टेक्नीशियन, फिजियोथेरेपिस्ट और ड्राइवर शामिल हैं, सेवाएँ प्रदान करेंगे। प्रत्येक यूनिट में 14 प्रकार की जांच सुविधाएँ, 65 प्रकार की आवश्यक दवाइयाँ और 29 प्रकार की स्वास्थ्य सामग्रियाँ उपलब्ध रहेंगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से लोगों को संचारी रोगों और मूलभूत ओपीडी सेवाएँ, टीबी, कुष्ठ, मलेरिया, फाइलेरिया जैसी बीमारियों की पहचान और उपचार, प्रसवपूर्व एवं प्रसव उपरान्त देखभाल, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और गुर्दा रोगों की पहचान, नवजात शिशुओं में जन्मजात विकृतियों की जाँच एवं उपचार, परिवार नियोजन सेवाएँ, मानसिक स्वास्थ्य और पोषण परामर्श, वृद्धजनों की देखभाल और आकस्मिक चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। इन यूनिट्स को जीपीएस प्रणाली से लैस किया गया है, जिससे उनकी निगरानी और संचालन में पारदर्शिता बनी रहेगी। प्रत्येक मोबाइल मेडिकल यूनिट एक माह में 24 दिन तक सेवाएँ प्रदान करेगी और प्रतिदिन 2 गांवों में लगभग 50 मरीजों का इलाज करेगी।

इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप कुमार यादव और एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपक जोशी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, बैंस और शर्मा की सीबीआई जांच की मांग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। इसमें जोशी ने भोपाल में हुए आयकर छापे के माध्यम से 400 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति का मुद्दा उठाया है। यह संपत्ति कारोबारी राजेश शर्मा और उनके सहयोगियों से जुड़ी बताई गई है। आरोप है कि राजेश शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के लिए केवल बेनामीदार हैं। शर्मा की पृष्ठभूमि इस विशाल संपत्ति के अनुरूप नहीं है, जिससे संपत्ति के सोर्स पर सवाल उठते हैं।

अपर लेक और बूझ वेटलैंड को गंभीर खतरा: पत्र में बताया गया है कि भोपाल के ऐतिहासिक अपर लेक और बूझ वेटलैंड, जो एक रामसर स्थल है। इसे गंभीर पर्यावरणीय खतरा है। राजेश शर्मा और उनके सहयोगियों ने 'सेंट्रल पार्क' के नाम से आवासीय परियोजना को अपर लेक के कैचमेंट क्षेत्र में स्थापित किया। इस परियोजना को नियमों और मास्टर प्लान का उल्लंघन कर मंजूरी दी गई, जिसमें बड़े पैमाने पर काले धन के उपयोग की बात सामने आई है।

बैंस पर सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप: दीपक जोशी ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने वेटलैंड क्षेत्र में एक विशाल बंगला और कंक्रीट की सड़क सरकारी धन का दुरुपयोग कर बनवाई। इन निर्माणों ने पर्यावरणीय मानकों और नियमों का उल्लंघन किया है।

बूझ वेटलैंड की वैश्विक महत्ता और संरक्षण की आवश्यकता: बूझ वेटलैंड, जो 11वीं शताब्दी में राजा भोज द्वारा निर्मित है, एक अंतरराष्ट्रीय महत्व का स्थल है। यह जैव विविधता को संरक्षित करता है और सैकड़ों प्रवासी पक्षियों का आवास है। इसके आसपास अवैध निर्माण और अतिक्रमण से पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने की आशंका है। जोशी ने प्रधानमंत्री से इन मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने 'सेंट्रल पार्क' परियोजना, अवैध बंगले, और सड़क के ध्वस्तीकरण के साथ-साथ एक उच्च स्तरीय सीबीआई जांच का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि यह कदम भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को प्रदर्शित करेगा और आम जनता का विश्वास बहाल करेगा।

गुरु गोपाल दास महाराज की 118वीं जयंती मनाई

भोपाल। गुरु गोपाल दास जी महाराज की 118 सी जयंती पिपलानी सुदर्शन मंदिर प्रांगण में बड़े धूमधाम से मनाई गई यह जानकारी बसोर समाज संयुक्त समिति पिपलानी अध्यक्ष रामपाल घोसले ने दी उन्होंने बताया कि मुख्य अतिथि फूल सिंह बरैया भंडार विधायक एवं विशेष अतिथि रविंद्र साहू झूमर वाला कर्मचारी नेता दीपक गुप्ता पार्षद मेवालाल कनेर एवं समाज के बहुत अधिक संख्या में हमारे लोग यहां उपस्थित हुए जिसमें चल समारोह में कलश यात्रा निकाली इस अवसर पर लोकगीत एवं परंपरा अनुसार ढोल एवं बजे पर नृत्य किया गया

विद्युत नियामक आयोग अध्यक्ष की नियुक्तिकमेटी बनी, 32 लोग मैदान में

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्य विद्युत नियामक आयोग के नए अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए कमेटी का गठन हो चुका है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद, सीएस अनुराग जैन और जज आरसी वार्ष्णेय की तीन सदस्यीय कमेटी अध्यक्ष का चुनाव करेगी। बता दें कि इस पद के लिए 8 आईएएस सहित कुल 33 लोगों ने आवेदन किए थे। इनमें से आईएएस मोहम्मद सुलेमान ने नाम वापस ले लिया है। इस तरह कुल 32 दावेदार मैदान में रह गए हैं। इस पद के लिए जिन आईएएस अफसरों ने आवेदन किया है उनमें मलय श्रीवास्तव, एसएन मिश्रा, संजय बंदोपाध्याय, विनोद कुमार, आशीष उपाध्याय, कल्पना श्रीवास्तव और अजीत केसरी के नाम हैं। आईएएस मोहम्मद सुलेमान ने नाम वापस ले लिया है। 1986 बैच के अफसर रिटायर्ड आईएएस अफसर एसपीएस परिहार को चार साल पहले विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। 2 दिसंबर को उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। वे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन भी रहे थे। जनवरी 2020 में देवराज बिरदी का कार्यकाल पूरा होने के बाद से ही अध्यक्ष का पद खाली था। कमलनाथ सरकार में मोहंती का अध्यक्ष बनना तय लग रहा था, लेकिन चयन के लिए बैठक होने से पहले ही राजनीतिक उलटफेर हो गया और कांग्रेस सरकार गिर गई।

संसाधनों से समृद्ध और निवेश संभावनाओं से परिपूर्ण है शहडोल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शहडोल में प्रदेश की 7वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 16 जनवरी को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहडोल जिले में समृद्ध खनिज संपदा, सांस्कृतिक विरासत और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के चलते औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं है। प्राकृतिक संसाधनों और औद्योगिक अवसरों से परिपूर्ण इस क्षेत्र में अब औद्योगिक निवेश के नए द्वार खुलेंगे। शहडोल में 16 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली प्रदेश की 7वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो क्षेत्रीय विकास के साथ औद्योगिक विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। खनिज संपदा से भरपूर शहडोल जिला भारत के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों में से एक है और यहां की भूमि फायर क्ले, मीथेन गैस और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों से समृद्ध है। सोहागपुर कोलफील्ड, जो एशिया के सबसे बड़े कोयला भंडारों में से एक है, ऊर्जा उत्पादन और खनन उद्योगों के लिए शहडोल को रणनीतिक महत्व प्रदान करता है। यहां की वन संपदा, जैव विविधता और जैविक उत्पाद इसे वन आधारित उद्योगों और औषधीय उत्पादों के क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान बनाती है। शहडोल की भौगोलिक स्थिति इसे औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। यह जिला मध्यप्रदेश को छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से जोड़ता है। बेहतर सड़क और रेलवे नेटवर्क होने से यह क्षेत्र व्यापार और माल परिवहन के लिए उपयुक्त है। यह क्षेत्र औद्योगिक क्लस्टर के रूप में विकसित होने की क्षमता भी रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2025 को 'उद्योग वर्ष' के रूप में घोषित किया है। इस पहल का उद्देश्य राज्य को निवेश और औद्योगिक विकास का हब बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विजन है कि शहडोल जैसे खनिज संसाधन संपन्न क्षेत्र को औद्योगिक और आर्थिक केन्द्र में विकसित किया जाए। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई प्रगतिशील नीतियों को लागू किया है। इनमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली, भूमि और कर प्रोत्साहन, विशेष आर्थिक क्षेत्र और औद्योगिक पार्कों की स्थापना शामिल है।

शहडोल रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से निवेश और औद्योगिक विकास के लिए नई संभावनाएं सृजित होंगी। इस कॉन्क्लेव में निवेशक, उद्यमी और नीति-निर्माता मिलकर क्षेत्र की क्षमताओं और संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। यह आयोजन न केवल शहडोल की औद्योगिक क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर स्थापित करने में भी मदद करेगा। फरवरी-2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट शहडोल की औद्योगिक संभावनाओं को वैश्विक मंच पर ले जाने का एक और बड़ा अवसर होगी। इस समिट में राज्य सरकार का ध्यान शहडोल को ऊर्जा, खनिज और पर्यटन आधारित उद्योगों के लिए एक प्रमुख निवेश स्थल के रूप में प्रस्तुत करने पर केंद्रित होगा।

आर्ट ऑफ़ लिविंग फाउंडेशन के आश्रम में प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति का समागम

भोपाल। मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति और पर्यटन स्थलों की झलक अब कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में देखने को मिलेगी। आर्ट ऑफ लिविंग के बेंगलूरू मुख्य आश्रम में 9 से 12 जनवरी तक होने वाले प्रदेश महोत्सव में मध्य प्रदेश की संस्कृति एवं पर्यटक स्थलों की जानकारी दी जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य दुनियाभर से आने वाले आर्ट ऑफ लिविंग के अतिथियों को राज्य की परंपराओं, कला, संगीत, और खूबसूरत पर्यटन स्थलों से परिचित कराना है।

महोत्सव में मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों की जानकारी देने के लिए खास सत्र आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव में प्रदेश की लोककला, पारंपरिक व्यंजन, संगीत, नृत्य प्रस्तुतियां एवं संस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। निवेश के लिये अवसरों पर भी चर्चा की जाएगी। यह कार्यक्रम न केवल मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रदेश में पर्यटन को प्रोत्साहित करने में भी मददगार होगा। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के सहयोग से यह भव्य आयोजन होगा। पर्यटकों को राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों से जोड़ने के लिए कार्यक्रम के दौरान उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर, खजुराहो के मंदिर समूह, ओरछा का इतिहास, पचमढ़ी की पहाड़ियां और सांची के स्तूप जैसे धरोहरों के बारे में आगंतुकों को 360 डिग्री वर्चुअल अनुभव भी कराया जायेगा। मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प और हथकरघा उद्योग को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

गहोई दिवस 19 को, तैयारी शुरू, ओमप्रकाश मुख्य सयोजक, तनुज सयोजक बने

भोपाल। गहोई वैश्य समाज द्वारा अपने आराध्य भगवान सूर्यदेव के पर्व मकर सक्रांति के उपलक्ष्य में आगामी 19 जनवरी को गहोई दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। इस कड़ी में समाज की बैठक आयोजित की गई, जिसमे आयोजन को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही सर्वसम्मति से कर्यक्रम के लिए वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश बिजपुरिया को मुख्य सयोजक और समाज के उपाध्यक्ष तनुज कुदरिया को सयोजक बनाया गया। इन दोनों की नियुक्ति पर समाज के अध्यक्ष रमेशचंद्र लोहिया सहित अमरचन्द कठल, तरुण कुचिया,महेश बहरे, दीपक सावला, राकेश सुहाने, कुबेर रेजा, राकेश कनकने, प्रकाशचंद्र कुचिया, भगवानदास गुप्ता, वरुण गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, अखिल रेजा, महेश गुप्ता, रोहित गुप्ता राजा, अर्चना पिपरसानियां आदि ने उन्हें बधाई दी है।

गोवंश के आहार में हरा चारा और साइलेज को शामिल करें: मंत्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि गोवंश के आहार में हरा चारा और साइलेज को शामिल करें। इससे गोवंश का स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होती है। मंत्री श्री पटेल ने भदभदा, भोपाल स्थित जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र भोपाल का निरीक्षण किया।

महाविद्यालयों में गुणवत्ता वृद्धि और कक्षाओं में संसाधन के लिए उपलब्ध बजट का उपयोग हो: परमार

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा मंत्री ने की उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं महाविद्यालयों में गुणवत्ता वृद्धि के लिए आगामी तीन माह की कार्ययोजना बनाकर वास्तविक आवश्यकता अनुरूप उपलब्ध बजट का उपयोग सुनिश्चित करें। मंत्री परमार सोमवार को मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत बरबड़े सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

मंत्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों की परीक्षाएं शासकीय संस्थानों में ही आयोजित की जाएं। उन्होंने परीक्षाओं की सुचिता बनाए रखने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परमार ने कहा कि महाविद्यालयों के समग्र विकास में पूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के भी प्रयास किए जाएं। परमार ने कहा कि समस्त पात्र विद्यार्थियों को विभागीय छात्रवृत्ति योजनाओं से लाभान्वित किए जाने की दिशा में अधिकाधिक प्रयास करें। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने विद्यार्थियों के हितों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट आवंटन, व्यय की स्थिति एवं आगामी वित्तीय वर्ष के बजट के लिए विभागीय तैयारियों की गहन समीक्षा की। परमार ने महाविद्यालयों में प्रयोगशालाओं के उन्नयन एवं मरम्मत आदि कार्यों में आवश्यकतानुरूप उपलब्ध बजट का उपयोग करते हुए महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के समग्र विकास, बेहतर अध्ययन-अध्यापन, शैक्षणिक एवं अकादमिक गुणवत्ता सुधार के लिए महाविद्यालयों में विभिन्न निर्माण एवं सुधार आदि कार्यों को समयावधि पर पूर्ण करने को कहा।

मंत्री परमार ने महाविद्यालयों की प्रवेश क्षमता, प्रवेशित छात्र संख्या एवं उपलब्ध सीटों पर युक्तियुक्तकरण के सम्बन्ध में व्यापक चर्चा कर महाविद्यालय में उपलब्ध अधोसंरचना अनुरूप क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने विधि महाविद्यालयों की स्थिति एवं व्यावसायिक महाविद्यालयों के संचालन की समीक्षा कर उत्तरोत्तर गुणवत्ता वृद्धि के लिए नीतिगत रूप से व्यापक कार्ययोजना बनाने को कहा है। मंत्री परमार ने सत्र 2025-26 में विद्यार्थियों के प्रवेश की तैयारियों की समीक्षा कर, कॉलेज चलो अभियान को सफल बनाने एवं सकल नामांकन अनुपात में उत्तरोत्तर वृद्धि करने के लिए कहा। परमार ने विभागीय गतिविधियों के ऑनलाइन मोड की वर्तमान स्थिति एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने महाविद्यालयों के पूर्व विद्यार्थियों के एलुमिनाई कार्यक्रम आयोजन करने एवं संबंधित महाविद्यालय के विकास में उनकी सहभागिता करवाने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने को कहा। परमार ने विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय डेटा सेंटर विद्या समीक्षा केंद्र बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन के निर्देश दिए। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों के संयोजन से, नियत समयावधि की शिक्षक प्रशिक्षण नीति तैयार करने की बात की। उन्होंने महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर संकाय वृद्धि एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रारंभ करने को लेकर व्यापक चर्चा की। परमार ने विभिन्न छात्रवृति योजनाओं एवं लोकसेवकों से संबंधित विषयों पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परमार ने परिवीक्षा अवधि समाप्ति से वंचित लोकसेवकों की नियमानुसार परिवीक्षा अवधि समाप्ति की प्रक्रिया नियत समयावधि पर पूर्ण करने को कहा। प

सम्पादकीय

मनमोहन का मुद्दा

इसे भारतीय राजनीति की विडम्बना ही कहा जाएगा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दाह संस्कार और उनकी समाधि का मुद्दा एक बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया है। इस मामले ने जहां भारतीय राजनीति में प्रवेश करती संकीर्ण विचारधाराओं को उजागर किया है, अपितु सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार चल रहे टकराव की सूची और बढ़ा दी है। कांग्रेस इस बात से नाराज है कि पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करना पड़ा,

जबकि अभी तक पूर्व प्रधानमंत्रियों का दिल्ली में राजघाट के पास ही अंतिम संस्कार होता आया है।

असल में मनमोहन सिंह सरकार ने राजघाट के पास संस्कार और समाधि के लिए राष्ट्रीय स्मृति स्थल तय कर दिया था, लेकिन उनका ही अंतिम संस्कार वहां नहीं होने दिया गया। कायदे से ऐसे फैसले लेने में देरी नहीं होनी चाहिए थी, और न ही परंपरा से अलग कुछ किया जाना चाहिए था। समाधि-स्थल के लिए जगह देने के मामले में सरकार की तत्परता नहीं दिखाई दी। सरकार राजी तो हुई है, लेकिन बड़े अनमने ढंग से। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मामले में जैसी तत्परता दिखाई गई और जिस तरह का सम्मान दिया गया, वह यहां नदारद दिखाई दिया। यह उचित नहीं लगता।

समाधि बनाने के लिए जगह चुनने के लिए पहले ट्रस्ट बनाना होगा, जिसमें परिवार के सदस्य होने चाहिए। यह एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है, फिर इसे पूरा करने में नौकरशाही की ऐसी बाधा क्यों?

इस पूरे मामले में भाजपा और कांग्रेस के बीच वही तू-तू मैं-मैं हो गई है, जो लगभग हर मुद्दे पर होती रहती है। कुछ विशेष कालखंडों, खासकर आपातकाल को छोड़ दें तो ऐसी असहमति पहले कभी नहीं देखी गई। सम्मान ही सहमति का आधार बनता है, दुखद पहलू यह है कि वह सम्मान भी अब कहीं बचा नहीं दिखाई देता। कह सकते हैं कि सम्मान का भी पार्टी के आधार पर बंटवारा हो गया है।

अभी तो भाजपा यह भी प्रचारित कर रही है कि मनमोहन सिंह का कांग्रेस अपमान करती रही है और अब राजनीतिक लाभ के लिए समाधि का मुद्दा उठा रही है। पीवी नरसिंह राव की मौत के बाद उनकी स्मृतियों के साथ कांग्रेस के कथित अपमानजनक रवैये का आरोप भी लगाया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि गांधी परिवार ने अपने से बाहर किसी को सम्मान नहीं दिया। लेकिन, पिछले कुछ मामलों पर नजर डालें तो पता चल जाएगा कि राजघाट के पास ही चौधरी चरण सिंह और जगजीवन राम के स्मृति स्थल हैं। दोनों कांग्रेस और इंदिरा गांधी के घोर विरोध वाली राजनीति से जुड़ गए थे। कांग्रेस सरकारों ने ही उनके स्मृति स्थल दिए थे।

जहां तक पूर्व पीएम नरसिंह राव के अपमान का सवाल है, तो कांग्रेस का कहना है कि उन्हें पूरा सम्मान दिया गया और तेलुगू बिड्डा के रूप में उनकी विदाई के लिए ही अंतिम संस्कार के रूप में हैदराबाद को चुना गया। यह फैसला आंध्र प्रदेश के उस समय के मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी ने पूर्व पीएम के बेटे प्रभाकर राव से मशविरा के बाद लिया था। इसमें कांग्रेस की भूमिका नहीं थी। सही तो यह होता कि राजनीतिक दलों को स्मृतियों की राजनीति को खुले रूप में स्वीकार किया जाए। क्या पीवी नरसिंह राव को भारत रत्न देने और उनका मेमोरियल बनाने के पीछे भाजपा का उद्देश्य राजनीतिक नहीं था? शायद इसलिए कि उनमें गांधी परिवार के एक विरोधी का चेहरा देखा जाता रहा।

असल में स्मृतियों से लोगों की संवेदनाएं किस तरह जुड़ी होती हैं, इसका बड़ा उदाहरण भारत-पाकिस्तान की सीमा पर हुसैनीवाला में देखा जा सकता है, जहां सरदार भगत सिंह व उनके साथियों का स्मारक है। यहीं पर फांसी के बाद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का अंतिम संस्कार हुआ था। सतलुज के किनारे बसा यह गांव बंटवारे के बाद पाकिस्तान में चला गया था। भारत के लोग चाहते थे कि यह जगह उनके पास हो। भारत सरकार ने 1961 में एक समझौता किया, जिसके तहत वह गांव हमें मिला और बदले में हमने पाकिस्तान को 12 गांव दिए। उस समय किसकी सरकार थी?

स्मारक बनाने के लिए किसी राष्ट्रीय नीति की जरूरत नहीं होना चाहिए। यह सम्मान और स्मृतियों का मुद्दा है, राजनीति का नहीं। और न ही बहस का होना चाहिए। लोगों की भावनाओं का ख्याल रखा जाए। जहां तक, मनमोहन सिंह की बात है तो उनके बारे में कुछ भी प्रचार रहा हो, परंतु उनकी मौत के बाद मिली प्रतिक्रियाओं में वह आर्थिक सुधारों के महानायक के रूप में उभरे हैं। स्वयं सत्तापक्ष के लोगों ने उनकी प्रशंसा की, उनके योगदान को सराहा है। उनके समाधि स्थल का फैसला लेते समय सरकार को यह बात ध्यान में रखना चाहिए। और अब विवाद को न बढ़ाना चाहिए और न ही बढ़ने देना चाहिए।

स्वयंसेवकों का डंडा झगड़े के लिए नहीं, लेकिन इलाज तो जरुरी!

- अरुण पटेल

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने सभी लोगों का आह्वान किया है कि वे राष्ट्र निर्माण में आगे आयें और संघ की गतिविधियों से जुड़ें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघ का डंडा चलाने का उद्देश्य झगड़ा करना नहीं, लेकिन कोई आ जाये तो उसका इलाज करना ही पड़ता है।

तीन जनवरी 2025 शुक्रवार को दशहरा मैदान पर संघ के मालवा प्रान्त का घोषवादन हुआ और डॉ भागवत की उपस्थिति में संघ के मालवा अंचल के 28 जिलों से आये 870 स्वयं सेवकों ने एक घंटे सात मिनट तक घोषवादन किया। इसी दौरान संघ के मुखिया मोहन भागवत का यह भी कहना था कि मनुष्य लाठी चलाने से वीरता प्राप्त करता है और निर्भीक बनता है।

उन्होंने बताया कि घोष वादन कला का प्रदर्शन नहीं अपितु इसका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। यह बीस से चालीस लोगों के बीच हो सकता था लेकिन इसे सार्वजनिक रुप से करने का लक्ष्य यही है कि आप सभी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभायें। उन्होंने इस दौरान संघ की 100 वर्षों की यात्रा व उद्देश्यों के विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम हुआ था। घोष वादकों ने बंसी की धुन पर 'राम आयेंगे, अवध में राम आयेंगे' ध्वनि की मनमोहक प्रस्तुति दी। घोष दल ने 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 100 की आकृति बनाई और इसी प्रकार शिवलिंग व स्वास्तिक की आकृति भी बनाई गई।

भागवत का विचार था कि इतने स्वयंसेवक संगीत का प्रस्तुतीकरण कर रहे हैं जो कि अपने आप में एक आश्चर्यजन घटना है। हमारी रण संगीत परंपरा जो विलुप्त हो गयी थी अब फिर से लौट आई है। महाभारत काल में पांडवों ने युद्ध के समय घोष किया था उसी तरह संघ ने भी इसे पुन: जागृत किया है। उनका कहना था कि संघ जब शुरु हुआ तब शारीरिक कार्यक्रमों के साथ संगीत की भी जरुरत थी। उस समय सेना और पुलिस से भी संघ ने संगीत सीखा। यह सब देश भक्ति के लिए किया गया।

डॉ भागवत यह नहीं मानते हैं कि हमारा देश दरिद्र है, बल्कि उनकी सोच है कि हम अब वैश्विक परिदृष्य में खड़े हुए हैं यानी पटल पर हमारी उपस्थिति है। संघ के कार्यक्रमों से मनुष्य में सद्गुणों की वृद्धि होती है। डंडा चलाने का उद्देश्य झगड़ा करना नहीं होता बल्कि यह उस स्थिति के लिए है जब कोई हमारे सामने आकर गिर जाये तो हम उसकी मदद कर सकें। लाठी चलाने वाला व्यक्ति वीर होता है वह कभी डरता नहीं। उनका कहना था कि संगीत के अनुरागी सब हैं लेकिन साधक सब नहीं हैं।अपना-अपना काम करते हुए समय निकाल कर अभ्यास करते हुए उन्होंने यह प्रस्तुति दी है। स्वाभाविक रुप से इसे सुनकर सभी को आश्चर्य हुआ है।

डॉ भागवत ने यह भी बताया कि ध्वजारोहण के समय आपने राज राजेश्वरी राग में जो रचना सुनी वह सबसे पहले बनी, बाद में संचलन पर यह व्यायाम योग के लिए अनुकूल धुनें भारतीय संगीत के आधार पर बनी, जो दुनिया में सबके पास है, वह हमारे पास भी होना चाहिये। हम किसी से पीछे नहीं हैं। संघ के आयोजन प्रदर्शन के लिए नहीं होते बल्कि इससे मनुष्य की संस्कृति, स्वभाव और संस्कार बनते हैं। इससे देश कार्य करने के लिए गुण के साथ व्यक्ति भी आवश्यक है।

इस अवसर पर इंदौर के 500 से ज्यादा समाजों के प्रमुख जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन और स्वयंसेवक परिवार सहित शामिल हुए। भागवत का कहना था कि संघ की यह तपस्या जब सफल होगी जब लोग ऐसा पूछने लगेंगे कि संघ की शाखा कहां लगती है। उन्होंने लोगों को यह भी ध्यान दिलाया कि इसकी जड़ें कहां हैं और वह जड़ तक पहुंचे। अच्छे जीवन के साथ हमारे देश का जीवन और अच्छा बने इस दिशा में काम करें।

यूनियन कार्बाइड के कचरे का निष्पादन और विवाद

यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन और परिवहन तथा धार जिले में पीथमपुर के निकट डम्प एवं निष्पादन किये जाने के संबंध में जो कथित विवाद पैदा हुआ है उसके संबंध में

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक उच्च स्तरीय बैठक में लोगों से यह अपील करते हुए कि सही तथ्य जाने बिना भ्रम में नहीं आयें।

उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि कोर्ट का निर्देश आने तक यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन पर आगे कार्रवाई नहीं की जायेगी। इस कार्रवाई को लेकर जहां राजधानी भोपाल के लोगों ने राहत की सांस ली वहीं धार जिले व इंदौर में लोगों को आशंका है कि अब जब इस कचरे का निष्पादन होगा तो उनके स्वास्थ्य पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। इस स्थिति को भांपते हुए ही डॉ. यादव ने लोगों को उक्त भरोसा दिलाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश सरकार एक ऐसी सरकार है जो जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसी नाते हम सदैव जनता के हित को लेकर आगे बढ़े हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और हाईकोर्ट के आदेश के परिपालन में यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर पहुंचाया गया है। हमने केवल न्यायालय की याचिकाओं और आदेशों के तारतम्य में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए केवल परिवहन किया है। न्यायालय ने इस कार्य के लिए 4 जनवरी की समयसीमा तय की थी और उसके पहले वहां कचरा पहुंचना चाहिये था। न्यायालय को 6 जनवरी तक इसकी रिपोर्ट अपेक्षित थी। इस कचरे को लेकर पिछले दिनों काफी बवाल मचा और पीथमपुर में आत्मदाह का प्रयास कर रहे दो लोग झुलस गये। आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर पत्थर बरसाये और गाड़ियों में तोड़फोड़ की तो पुलिस को भी लाठियां भांजते हुए देखा गया और ट्राफिक जाम चारों तरफ कर दिया गया।

और यह भी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा केजरीवाल पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा कि मैंअपने लिए शीश महल बनवा सकता था लेकिन गरीबों के लिए चार करोड़ मकान बनाये। दिल्ली में आपदा सरकार है और ये कट्टर बेईमान लोग हैं।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल अपने स्वयं व अपनी पार्टी के लोगों को कट्टर ईमानदार कहा करते थे। लेकिन, आबकारी घोटाले में आरोप लगने के बाद उन्हें जेल जाना पड़ा था और मोदी का यह कटाक्ष संभवत: इसी परिप्रेक्ष्य में था। चुनावी नारा देते हुए मोदी ने कहा कि आपदा को हटाना है और भाजपा को लाना है। दिल्ली में 4 हजार 500 करोड़ रुपए की की कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी मोदी ने किया। दिल्ली के अशोक विहार में बने 1675 फ्लैटस का भी प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया जो झुग्गीवासियों के लिए हैं।

क्या चीन में जानलेवा वायरस फैला है?

राकेश दुबे

सारी दुनिया में चर्चा है कि चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस अथवा उसके जैसा ही खतरनाक, जानलेवा वायरस फैला है? और चीन खामोश है? क्या चीन इस बार भी संक्रमण के विस्फोट और विस्तार को छिपाए रखेगा? भारत सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से इन सवालों के स्पष्टीकरण मांगे हैं। क्या यह संगठन पुष्टि करेगा कि चीन में किस तरह का संक्रमण फैला है और वह भारत सरीखे पड़ोसी देशों के लिए कितना भयावह साबित हो सकता है?

भारत का 'नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) देश में सांस और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों पर करीबी नजर रखे है। संयुक्त निगरानी समिति जांच कर रही है कि देश पर किसी तरह के वायरस का प्रभाव शुरू हुआ है या नहीं! अलबत्ता जनता को आश्वस्त किया जा रहा है कि फिलहाल चिंता और दहशत की स्थिति नहीं है।

चीन में 'ह्यूमन मेटापन्यूमो वायरस' (एचएमपीवी) के संक्रमण फैलने की खबर ही पुष्टि हुई है। यह वायरस भी कोरोना महामारी के वायरस जैसा ही बताया जा रहा है। टीवी चैनलों पर कुछ वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें चीन के अस्पताल खचाखच भरे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ का सैलाब उमड़ा है। लोगों ने मास्क पहने हुए हैं। कुछ चीख-पुकार और कुछ बदहवासी का माहौल दिख रहा है।

ऐसी भी सूचनाएं सार्वजनिक हुई हैं कि चीन में वायरस से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई भी आंकड़ा घोषित या सत्यापित नहीं किया गया है। चीन सरकार इस बार भी खामोश है। चीन ने अपने यहां फ्लू के बड़े प्रकोप की खबरों को खारिज किया है। उसका यह रवैया नवंबर, 2019 में भी लगभग यही था, जब कोरोना वायरस का पहला केस, चीन के ही वुहान शहर में, सामने आया था। तब उसे 'रहस्यमयी निमोनिया' करार दिया गया था।

चीन में ही कोरोना से हुई पहली मौत भी दर्ज की गई थी। कोरोना वैश्विक महामारी दुनिया भर ने झेली और 71 लाख से अधिक मौतें हुईं। भारत में भी करीब 5.5 लाख लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मारे गए। इस त्रासदी को 'अभूतपूर्व' माना गया। दुनिया में गैर-सरकारी संगठनों और एजेंसियों ने मौत के आंकड़े कई गुना अधिक बताए थे। बहरहाल कोरोना संक्रमण के तनाव, भय, दंश, मौतों से लेकर आर्थिक तालाबंदी का वह दौर इतना भयावह था कि हम भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहिए।

चीन खुद को एक किले में बंद रखता आया है। वहां सामान्य मीडिया, सोशल मीडिया ही नहीं, लोगों पर भी पाबंदियां हैं कि वे किसी भी तरह की सूचना को सार्वजनिक नहीं कर सकते। जो कहना है, वह चीन सरकार ही कहेगी। वहां जो वायरस फैला है, उसके लक्षण भी कोरोना सरीखे ही हैं। लोगों में तेज बुखार देखा जा रहा है। फेफड़ों में संक्रमण और सांस लेने में परेशानी की खबरें भी आई हैं, लेकिन चीन में इस वायरस का प्रभाव कुछ अलग देखा जा रहा है कि संक्रमण 5 साल की उम्र से छोटे बच्चों में फैल रहा है। कोरोना संक्रमण से बच्चे प्रभावित नहीं हुए थे। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता जन्म से ही मजबूत आंकी गई थी। कोरोना संक्रमण के शिकार बड़ी उम्र के लोग और अधिकतर बुजुर्ग लोग ही हुए।

चीन ने अभी तक सांस संबंधी सामान्य संक्रमण को ही स्वीकार किया है। वहां के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा बिलकुल सुरक्षित है। प्रवक्ता के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में संक्रमण चरम पर होता है, लेकिन बीते वर्ष की तुलना में बीमारियां छोटे स्तर पर ही फैल रही हैं। बहरहाल अब दायित्व विश्व स्वास्थ्य संगठन का है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट करे कि चीन में कोरोना सरीखे वायरस की मौजूदा स्थिति क्या है?

पत्रकारों की सुरक्षा...भारत कौन से नंबर पर, बाकी दुनिया में क्या हाल

रवि सिंह

छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद पत्रकारों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के मुताबिक पत्रकारों के लिए सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद देश की पत्रकार बिरादरी में गुस्सा है। सुरक्षा के मुद्दे पर ?बहस छिड़ गई है। भारतीय जर्नलिस्ट कितने सुरक्षित हैं? जान जोखिम में डालकर जनता तक सच पहुंचाने के लिए दिन-रात एक कर देने वाले खबरनवीसों के लिए सरकारें क्या कोई कदम उठाती हैं?

शुरुआत छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्राकर से ही। वे अब हमारे बीच नहीं हैं। हत्याकांड का मास्टरमाइंड सुरेश चंद्राकर पुलिस की गिरफ्त में है। उससे पूछताछ की जा रही है। इस बीच अब सामने आया है कि आरोपी सुरेश चंद्राकर और पत्रकार मुकेश चंद्राकर आपस में रिश्तेदार थे। इस केस में सुरेश के तीन सगे भाइयों समेत चार आरोपियों को पहले पकड़ा जा चुका है।

मुकेश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के एक दर्जन से ज्यादा निशान मिले हैं। उन्हें कितनी बेरहमी से मारा गया, इसका अंदाजा सिर्फ इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि लिवर के चार टुकड़े हो गए थे। गर्दन टूट गई। हार्ट फट गया। पांच पसलियां भी टूटी मिलीं। मुकेश की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई, क्योंकि उन्होंने ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के सड़क निर्माण के भ्रष्टाचार को उजागर किया था। आरोपियों ने मुकेश को खाने के बहाने बैडमिंटन कोर्ट में बुलाया और जान ले ली।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर की वेबसाइट के अनुसार, भारत में हर साल औसतन तीन से चार पत्रकारों की हत्या होती है। कई बार पत्रकारों को ऑनलाइन उत्पीड़न, धमकी, डर और हमलों के साथ आपराधिक मुकदमों और गिरफ्तारी का सामना करना पड़ता है। ऑब्जर्वेटरी ऑफ किल्ड जर्नलिस्ट्स, यूनेस्को की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 1993 से अब तक दुनियाभर में 1 हजार 728 पत्रकारों की हत्या हुई है, इसमें एशिया में 457 और भारत में 60 पत्रकारों

को मार दिया गया। पाकिस्तान की स्थिति और भी खराब है। 1993 से लेकर अब तक पाकिस्तान में 101 पत्रकारों की हत्या की गई है।

ऑब्जर्वेटरी ऑफ किल्ड जर्नलिस्ट्स, यूनेस्को के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में भारत में 17 पत्रकारों की हत्या कर दी गई। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर की वेबसाइट का दावा है कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिहाज से बनाई गई 180 देशों की सूची में भारत का 162वां नंबर पर है, यानी स्थिति नाजुक है। पत्रकारों के लिए सबसे सुरक्षित देश लग्ज़मबर्ग को माना गया है। यह पहले स्थान पर है। वहीं, सीरिया सबसे असुरक्षित देश है। वह सबसे अंतिम यानी 180वें पायदान पर है। इसी लिस्ट में ब्रिटेन 50वें नंबर पर है। वहीं, अमेरिका 118वें पायदान पर खड़ा हुआ है। पाकिस्तान का 169वां नंबर है।

पत्रकारों की सुरक्षा में कौन सा देश, किस नंबर पर

देश	नंबर
ब्रिटेन	50
मालदीव	80
भूटान	97
नेपाल	109
अमेरिका	118
श्रीलंका	140
भारत	162
बांग्लादेश	167
रूस	168
पाकिस्तान	169
चीन	172
म्यांमार	177
अफगानिस्तान	179

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नपा की लापरवाही शहर में आधा दर्जन सुलभ कॉम्प्लेक्स, चालू सिर्फ एक

सिरोंज- एक तरफ जहां केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नए-नए नवाचार कर नागरिकों को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रेरित कर रही है, तो वही इसके विपरीत सिरोंज नगर पालिका परिषद इन नवाचारों पर पानी फेरती दिखाई पड़ रही है। जबकि शासन शहर को साफ, स्वच्छ, और सुंदर बनाने के लिए लाखों, करोड़ों रुपए खर्च कर रही है तो वहीं कई तरह के आयोजन कर अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों को मंचों पर सम्मानित भी किया जा रहा है। लेकिन फिर भी सिरोंज में बैठे इन जिम्मेदारों पर इसका कोई असर पड़ता दिखाई नहीं पड़ रहा है। जबकि जिम्मेदारों ने ही लाखों रुपए खर्च कर शहर में अलग-अलग जगह पर आधा दर्जन सुलभ कांप्लेक्स का निर्माण कराया है। इनके संचालन के लिए एक एनजीओ है जिसको जिम्मेदारी दी गई है और मोटी रकम भी खर्च की जा रही है। इसके बावजूद भी शहर में बने आधा दर्जन यह सुलभ कॉम्प्लेक्स सिर्फ बिल्डिंग के रूप में ही दिखाई दे रहे हैं। जबकि अधिकांश में ताले ही डले रहते हैं। वही जब हमारी टीम ने पड़ताल की तो देखने को मिला कि बस स्टैंड स्थित सुलभ कंपलेक्स ही संचालित हो रहा था इसके अलावा सभी जगह सोमवार को तले ही डले मिले। वही पड़ताल के दौरान सामने आया कि बासौदा नाका स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स भी खुलता है लेकिन इसकी समय सीमा तय की गई है, इसलिए यह 24 घंटे में कुछ घंटे ही खोला जाता है। जानकारी के मुताबिक शहर में स्थानीय नवीन बस स्टैंड, बासौदा नाका क्षेत्र, अयोध्या बस्ती, छत्री नाका, उत्कृष्ट विद्यालय क्षेत्र एवं तहसील क्षेत्र में सुलभ शौचालय बनाए गए हैं। जिनमें से अयोध्या बस्ती, छत्री नाका रोड क्षेत्र एवं

उत्कृष्ट विद्यालय क्षेत्र आदि क्षेत्रों में बने सुलभ शौचालय बंद होने से जनता के लिए अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। स्थानीय छत्री नाका रोड क्षेत्र में बने सुलभ शौचालय की स्थिति काफी दयनीय दिखाई देती है। तथा इसका संचालन भी नहीं हो रहा है। लेकिन सुलभ कॉम्प्लेक्स के संचालन के लिए जिम्मेदारों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसकी वजह से इन सुलभ कॉम्प्लेक्स की सुविधा कई वर्षों से जनता को नहीं मिल पा रही है। वही नगर के मुख्य बाजार में सुलभ कॉम्प्लेक्स की मांग वर्षों से है व्यापारी कर रहे हैं, कई बार आंदोलन भी कर चुके हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार सुविधा मुहैया कराने में असफल प्रतीत हो रहे हैं।

मुख्य बाजार में सुलभ कांप्लेक्स की सबसे बड़ी समस्या -

जहां एक ओर शहर में कई सुलभ कॉम्प्लेक्स बंद पड़े होने से जनता को इनकी सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शहर के मुख्य बाजार में बड़ी संख्या में शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी तादाद में लोग अपने दैनिक उपयोग के सामान एवं अन्य वस्तुओं की खरीददारी करने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य बाजार में सुलभ कॉम्प्लेक्स की कमी के कारण उनको काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं को काफी परेशानी होती है। वही व्यापारियों एवं नागरिकों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। मुख्य बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में कई बार नागरिकों एवं व्यापारियों द्वारा पर्याप्त सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था किए जाने की मांग की जा चुकी है। लेकिन उनकी समस्या का निराकरण नहीं हो सका है।

वर्षों से बंद पड़ा है छतरी चौराहा स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स -

नगर पालिका परिषद द्वारा लाखों रुपए खर्च कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सुलभ कॉम्प्लेक्स बनाकर इमारतें खड़ी कर दी लेकिन अधिकांश समय यह बंद रहती है।

इनका कहना है -

मुझे अभी चार्ज मिला है, मैं दिखवाता हूं, क्या परेशानी आ रही है, यही लापरवाही बरती जा रही होगी तो कार्रवाई की जाएगी। - रोहित तोमर प्रभारी सीएमओ नपा

SEnSeD के प्रशिक्षणार्थियों ने केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ किया पौधारोपण और की चर्चा

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (SEnSeD) के प्रशिक्षणार्थियों ने नया साल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ स्मार्ट सिटी पार्क, भोपाल में मनाया। इस अवसर पर पौधारोपण किया गया और भविष्य के सपनों पर सार्थक चर्चा हुई। माननीय मंत्री ने प्रशिक्षणार्थियों को उनके जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।आयोजन में एनजीओ के शिक्षकों को भी चौहान द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा, प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी कला और सृजनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए मंत्री को उनका एक सुंदर पोर्ट्रेट भेंट किया। यह आयोजन प्रेरणा और सशक्तिकरण का अद्वितीय उदाहरण बना। जिसमे सैंड सस्था के ब्लाक समन्वयक राहुल नागर, एनजीओ के सदस्य रोशन नागर, प्रशिक्षक पार्लर रोशनी शर्मा, प्रशिक्षक मेहंदी बांधना चौधरी और संस्था के सभी बच्चे उपस्थित रहे।

सुअर बम खाने से फिर फटा गौवंश का जबड़ा,एक माह में गौवंश के सुअर बम से घायल होने की यह तीसरी घटना

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- औबेदुल्लागंज में गाय ने सुअर मार बम खा लिया जिससे उसका जबड़ा फट गया एक महीने में सुअर मार बम खाने की यह तीसरी घटना हैं मौके पर पहुँचे लोगो ने पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद गौ सेवकों ने घायल गाय को अस्पताल पहुँचाया इस घटना को लेकर गोसेवकों,हिन्दू संघठनो में आक्रोश पनप रहा हैं साथ ही बार बार इस तरह की घटनाओं का कारण प्रशासन की लापरवाही भी हैं पूर्व की घटनाओं से सीख नही ली गई और एक माह में यह तीसरी घटना गौ वंश के साथ घटित हुई हैं। अब इस मामले में आरोपियों पर कार्यवाही को लेकर बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुँचे थे साथ ही लोगो ने पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने का भी आरोप लगाया। वहीं मौके पर पहुँची पुलिस ने सुअर बम बनाने वाले कि तलाश शुरू की है। यह पूरी घटना औबेदुल्लागंज की घनी बस्ती अर्जुन नगर की हैं।

कलेक्टर ने डब्ल्यूजीएफ कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को प्रशंसा पत्र सौंपा

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने टी.एल. बैठक के दौरान डब्ल्यूजीएफ कार्यक्रम अंतर्गत समीक्षा के दौरान बाल विकास परियोजना छतरपुर शहरी के आंगनवाड़ी केन्द्र कमांक-17 में पदस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा राय के कार्य द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए प्रशंसा पत्र सौंपा है। इनके द्वारा माह अक्टूबर-2024 से कुल 15 माँ एवं

शिशु हितग्राहियों का पंजीयन क्यूडवेल पर किया गया। साथ ही डब्ल्यूजीएफ मानकों के आधार पर कार्यकर्ता द्वारा हितग्राहियों की सतत मॉनिटरिंग की गई एवं उनके वजन वृद्धि के लिए सफल प्रयास किए गए। जिसके परिणाम स्वरूप पंजीकृत 13 बच्चे के वजन एवं लम्बाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने पत्रकारों की दी जानकारी

शहडोल (सांध्य प्रकाश) - संभागीय मुख्यालय शहडोल में 16 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों के संबंध में पत्रकार वार्ता का आयोजन इंटरनेशनल सूर्या होटल में किया गया। कलेक्टर ने पत्रकारों को बताया कि 16 जनवरी को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव संभागीय मुख्यालय शहडोल के इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी 2025 तक की स्थिति में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हेतु 4471 उद्यमियों द्वारा पंजीयन किया गया है। उन्होंने बताया कि कि शहडोल संभाग के शहडोल जिले में 2076.578 हेक्टयर, अनूपपुर जिले में 2061.823 हेक्टेयर एवं उमरिया में जिले में 2959.315 हेक्टेयर शासकीय भूमि का चिन्हाकन किया गया है। कलेक्टर ने पत्रकारवार्ता में बताया कि शहडोल जिले में वनोपज कोयला, बाक्साइड, ग्रेनाइट की उपलब्धता है इस क्षेत्र में और अधिक विकास होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग स्थापित होने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे ही वही पलायन भी रूकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय मेला में किसान सीखेंगे उत्पादन की नई-नई विधियां

दमोह - जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल ने कहा किसान भ्रमण योजना जो सरकार द्वारा चलाई गई है, उसमें बहुत से किसान दमोह जिले से जलगांव भ्रमण के लिए जा रहे हैं, जहां पर अंतर्राष्ट्रीय मेला लगा है, वहां पर खेती के लिए नए-नए उत्पादन किसान को कैसे करने हैं, जैविक खेती कैसे करनी है और अपनी उत्पादकता कैसे बढ़ानी है यह सिखाया जाएगा। बुंदेलखंड को खेती में आगे बढ़ाने के लिये यह सरकार की एक मुहिम है।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने कहा कृषि विभाग द्वारा दमोह जिले के किसानों का दूसरे प्रदेशों में भ्रमण और दमोह जिले में एक उत्पाद में चना दाल है, उस चने की दाल का भी पूरे देश भर में प्रचार हो, दमोह के किसानों द्वारा जो चना उत्पादन किया जाता है, जिसके माध्यम से जो दाल बनाई जा रही है, उस दाल का भी सभी में प्रचार प्रसार करते हुए किसानों को नई तकनीकी से कृषि कैसे कर सकते हैं, यह सभी सीखने का अवसर कृषि विभाग द्वारा दिया जा रहा है। निश्चित ही इसका लाभ किसान बंधु लेंगे।

लोकेन्द्र पटैल (लकी भैया) ने कहा एक जिला एक उत्पाद योजना अंतर्गत दमोह जिले से जलगांव के लिए किसान की एक टीम जा रही है, वहां पर पूरे भारत वर्ष के किसानों का मेला लग रहा है, वहां पर नई-नई तकनीकी सीखने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से किसानो की टीमों को भेजा जा रहा है, किसान वहां से उत्पादन के बारे में सीखकर आएंगे और यहां पर आकर उसको अप्लाई करेंगे, इस उद्देश्य को लेकर सरकार द्वारा किसानो की टीम को जलगांव भेजा जा रहा है।

फाइलेरिया (हाथी पांव) को भगाना है एलबेन्डाजोल गोली चबा-चबा कर खाना है

10 से 25 फरवरी तक चलेगा राष्ट्रीय फाइलेरिया कार्यक्रम

छतरपुर। छतरपुर जिले में राष्ट्रीय फाइलेरिया दिवस 10 से 25 फरवरी 2025 तक फाइलेरिया कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 02 वर्ष के ऊपर के लोगों को डी.ई.सी. एवं एल्बेंडाजोल गोली एवं आईवरमैक्टिन दवा का सेवन आयु के अनुसार कराया जाएगा। जिससे की छतरपुर जिले को फाइलेरिया रोग (हांथी पांव) की बीमारी से मुक्त किया जा सके।

सीएमएचओ डॉ. आर.पी. गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष जिले के ब्लॉक लवकुशनगर एवं शहरी क्षेत्र छतरपुर एवं बक्सवाहा को छोड़कर शेष सभी ब्लॉकों में दवा का सेवन कराया जाएगा। छतरपुर जिले में 2 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों को डीईसी एवं एलबेन्डाजोल की 1-1 गोली, 6 से 14 वर्ष के बच्चों को डीईसी की 2 गोली तथा एलबेन्डाजोल की 1 गोली व 15 से या इससे अधिक वर्ष के लोगों को डीईसी की 3 एवं एलबेन्डाजोल की 1 गोली इस अभियान में खिलाई जाना है। एलबेन्डाजोल गोली कीटाणुनाशक है इसे चबाचबा कर खाना है। इस गोली को सेवन 0 से 2, गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, गर्भवती माताओं को नहीं करना है। फाइलेरिया अधिकारी डॉ. धीरेन्द्र गुप्ता ने बताया कि किसी भी व्यक्ति को दवा सेवन के बाद बुखार, उल्टी, सिर, बदन दर्द, होतो है तो वो घबरायें नहीं, यहा क्षणिक होता है और स्वतः ही ठीक हो जाता है। यह उन्ही व्यक्तियों को होता है जिनके अंदर फाइलेरिया के किटाणु होते है।

एमडीए के दौरान पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आइवरमेक्टिन गोली का सेवन नहीं करना है।हांथी पांव बीमारी को कैसे पहचाने नियुक्त दल दवा के सेवन कराने के साथ करेंगे बीमारी होने की लेंगे जानकारी

नगर के विकास कार्यों को लेकर छतरपुर विधायक ने की बैठक

छतरपुर। शहर को खूबसूरत व व्यवस्थित बनाने के लिए छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने आज नगर पालिका सीएमओ सुश्री माधुरी शर्मा के साथ बैठक कर विकास कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान सहायक यंत्री श्री देवेन्द्र धाकड़, उपयंत्री अंकित अरजरिया व आमिर खान भी उपस्थित रहे।

छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने महोबा रोड पर बनाये जाने वाले बस स्टैण्ड व तालाबों के सौन्दर्यीकरण के लिए बनाये गए नक्शे को देखा और कुछ सुधार के लिए निर्देश दिए। इसके साथ ही शहर में केन्द्र सरकार से स्वीकृत 16 स्मार्ट शुलभ शौचालय के निर्माण स्थानों को चिंहित करने को कहा और शहर की गलियों में बनने वाले रोडों की चौड़ाई 12 फुट से 15 फुट करने को कहा। चौपाटी विकसित करने के साथ ही शहर के शॉपिंग काम्प्लेक्स के ऊपर भी दुकानें बनाने का प्रस्ताव तैयार करने के साथ ही बस स्टैण्ड में गरीबी के लिए रेन बसेरा बनाने के लिए सरांय का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

पर्यटन के विकास से जीवन भी होगा सुरक्षित

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के संबंध में कार्यशाला सम्पन्न

शहडोल (सांध्य प्रकाश) - संभागीय मुख्यालय शहडोल में 16 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन से शहडोल संभाग का विकास तेजी से बढ़ेगा तथा युवा स्वंय के रोजगार स्थापित कर अपने पैरो में खड़े होगे व दूसरों को रोजगार प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि विकास के क्षेत्र में हम सब को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि कोदो, मुन्गा की की प्रोसिंग करें जिससे लोगों को लाभ मिले तथा मुन्गा एवं कोदो की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने कहा कि शहडोल संभाग में नदियां, पहाड़, जंगल बहुत है यदि इनको दृष्टिगत रखते हुए हम काम करें तो इससे जीवन सुरक्षित रहेगा और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तो हमें कुल्लू मनाली, अंडमान निकोबार जैसे अन्य स्थानों पर जाने की

जरूरत नही होगी और अपने क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि आज के युवा टेक्नोलॉजी के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और नवाचार को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यशाला में कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने कहा कि संभागीय मुख्यालय शहडोल में 16 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हेतु अधिक से अधिक उद्यमी पंजीयन कराएं और दूसरों उद्यमियों को पंजीयन संबंधी जानकारी दें। कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्र दियापीपर, ओरियंट पेपर मिल्स सहित अन्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

जिले के 945 मतदान केन्द्रों में निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन संपन्न

कलेक्टर मिश्रा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की बैठक सह प्रेस वार्ता ली

मंडला--जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने सोमवार को जिला योजना भवन में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत जिला योजना भवन में सोमवार को राजनैतिक दलों की बैठक व सहप्रेस वार्ता ली।उन्होंने बताया कि मंडला जिले के 945 मतदान केन्द्रों में निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन हो रहा है। अंतिम प्रकाशित नामावली की प्रतियाँ बीएलओ के साथ ही निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगी।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम,संयुक्त कलेक्टर श्री जेपी यादव सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि और पत्रकारगण उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मिश्रा ने अंतिम प्रकाशन में विधानसभावार मतदाताओं की संख्या के बारे में जानकारी दी।उन्होंने विधानसभावार पुरूष मतदाता,महिला मतदाता और जेंडर व ईपी रेशो के बारे में बताया।मतदान केन्द्रों में पुरूष एवं महिला मतदाताओं की संख्या के संबंध में तुलनात्मक जानकारी दी।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मिश्रा ने विधानसभावार पीडब्ल्यूडी मतदाता, 85प्लस मतदाता एवं 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या के संबंध में जानकारी दी।इसी प्रकार से प्रेस वार्ता में विधानसभावार सर्विस वोटर्स और एनआरई वोटर्स के बारे में बताया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार वर्ष में चार तिथियों के आधार पर निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण कार्य संपन्न किया जाता है।इस अवसर पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले व्यक्ति अपना नाम जोड़ने हेतु आवेदन कर सकते हैं।ऐसे आवेदनों का निराकरण संबंधित पुनरीक्षण अवधि में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा वोटर हेल्पलाईन मोबाईल ऐप शुरू किया गया है।इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे नाम जोड़ने या ईपिक की त्रुटियों के सुधार हेतु ऑनलाईन आवेदन कर सकता है।उन्होंने आयोजित बैठक एवं सह प्रेस वार्ता में वोटर हेल्पलाईन मोबाईल ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त एनव्हीएसपी वेब पोर्टल पर भी ऑनलाईन आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध है।आयोजित बैठक एवं सह प्रेस वार्ता में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के अंतर्गत अंतिम प्रकाशित फोटोयुक्त नामावली की प्रतियां एवं सीडी सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराई गई।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने सभी राजनैतिक दलों से कहा कि मतदान केन्द्रों में अपने बीएलए नियुक्त करने की सूची प्रदान करें।

निःक्षय शिविर में टी.बी.मरीजों का उपचार कर उन्हें स्वस्थ किया जाएगा-कलेक्टर

मंडला--जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि जिले में टी.बी. बीमारियों की रोकथाम हेतु शिविर लगाकर नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। जिससे टी.बी.बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उनका उपचार किया जा सके।कलेक्टर श्री मिश्रा सोमवार को जिला योजना भवन में 100 दिवसीय अभियान निःक्षय शिविर की बैठक को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट,अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह,एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम,एसडीएम नैनपुर श्री हुनेन्द्र घोरमारे,एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव,एसडीएम घुघरी आकिप खान,एसडीएम निवास शाहिद खान,संयुक्त कलेक्टर श्री जेपी यादव,संयुक्त कलेक्टर श्री सीएल वर्मा,डिप्टी कलेक्टर श्री आशुतोष ठाकुर,डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.केसी सरौते,सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि निःक्षय शिविर अभियान में नागरिकों का स्वास्थ्य जांच करें।टी.बी. से पीड़ित व्यक्तियों को पोषण आहार व दवाईयों का वितरण करें।जिससे टी.बी.पीड़ित व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार हो सके।शिविरों में चिन्हित किए गए टी.बी. मरीजों की नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारियों को निःक्षय मित्र बनाने के निर्देश दिए।जिससे टी.बी. उन्मूलन में निःक्षय मित्रों की मदद ली जा सके।

सचिव या सचिव समकक्ष पदों पर विभिन्न सेवाओं के 7 अधिकारी एमपैनल्ड

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
DEPARTMENT OF
PERSONNEL & TRAINING

नई दिल्ली। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आज भारत सरकार में सचिव या सचिव समकक्ष पदों पर नियुक्ति के लिए विभिन्न सेवाओं और बैचों से संबंधित 7 अधिकारियों के पैनल को मंजूरी दे दी। सचिव/सचिव समकक्ष पदः मीनाक्षी नेगी (IFOS-1989) आनंद मोहन बजाज (IA&AS: 1990), त्रिशालजीत सेठी (IPOS:1990)] संजय प्रसाद (IRS-IT:1990), प्रवीण वशिष्ठ (IPS:1991), एल सत्य श्रीनिवास (IRS C and IT:1991), सचिव समकक्ष पदः आरती भटनागर (IDAS:1990)

सीग्रम्स रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर ने ग्लोबल सेंसेशन नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम सीजन 2 के साथ की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। सीग्रम्स रॉयल स्टैग ने नेटफ्लिक्स पर रिकॉर्ड-तोड़ सफलता हासिल करने वाली सीरीज़ स्क्विड गेम के दूसरे सीज़न के साथ साझेदारी की घोषणा की है। स्क्विड गेम के साथ यह साझेदारी रॉयल स्टैग की लिव इट लार्ज फिलॉसफी के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह दर्शकों को दुनिया के एक सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनने का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है जो अब तक लाखों दिलों को जीत चुका है। आज के युवाओं के बीच के-ड्रामा बहुत ही लोकप्रिय है। ऐसे में यह सहयोग ब्रांड को युवाओं के जुनून का हिस्सा बनने, उनसे जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं में शामिल होने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए, पेरनोड रिकार्ड इंडिया के मार्केटिंग जनरल मैनेजर जॉयदीप बसुरॉय ने कहा, नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम के साथ रॉयल स्टैग का यह सहयोग ब्रांड को के-कल्चर के प्रति युवाओं की दीवानगी का लाभ उठाने में मदद करेगा।

न्युवोको विस्टास ने वडराज सीमेंट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा किया

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह और पूर्वी भारत में एक प्रमुख कंपनी, वडराज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के अधिग्रहण को पूरा कर लिया है। न्युवोको, वीएसएल के सफल एसआरए के रूप में उभरा है, जो वर्तमान में कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी समाधान प्रक्रिया से गुजर रहा है। न्युवोको द्वारा प्रस्तुत रेजोल्शून प्लान को कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ('सीओसी') द्वारा मंजूर किया गया है, और एक लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी किया गया है। ट्रांजेक्शन पर पूरी तरह से अमल न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी वान्या कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। न्युवोको अपने कंसोलिडेटेड डेट स्तरों में उल्लेखनीय वृद्धि के बिना लेनदेन को फंडिंग करने का इरादा रखता है। एसेट्स के नवीनीकरण और वीसीएल प्लांट्स के ऑपरेशनल सुधार को बढ़ावा देने के लिए चरणबद्ध निवेश 15 महीनों में किया जाएगा।

एस.यू.डी. लाइफ का नया यूनिट लिंक्ड फंड लॉन्च

रीवा। स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एस.यू.डी. लाइफ) ने नए साल में एस.यू.डी. लाइफ मिडकैप मोमेंटम इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड पॉलिसीधारकों को भारत के तेजी से बढ़ते मिडकैप मार्केट में निवेश करने का शानदार मौका दे रहा है।

मिडकैप कंपनियां वे होती हैं जिनका काफी मजबूत बिज़नेस मॉडल होता है और जो तेजी से बढ़ने के लिए तैयार होती हैं। हालांकि, मिडकैप स्टॉक्स में थोड़ा उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है लेकिन लार्ज-कैप सूचकांकों की तुलना में यह लंबे समय में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। मोमेंटम इन्वेस्टिंग यानी उन स्टॉक्स पर फोकस करना जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और कमजोर स्टॉक्स को समय-समय पर हटा देना। एस.यू.डी. लाइफ मिडकैप मोमेंटम इंडेक्स फंड हर 6 महीने में री-बैलेंस होता है जिससे मजबूत और कम अस्थिरता वाले स्टॉक्स पर फोकस बना रहता है। यह फंड निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है। यह इंडेक्स मिडकैप स्टॉक्स को उनके प्राइस मोमेंटम के आधार पर चुनता है। इसका मतलब है कि यह फंड उन कंपनियों में निवेश करता है, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और आगे ग्रोथ दिखा रही हैं। यह फंड आपको कम लागत में मिडकैप स्टॉक्स का डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने का मौका देता है ताकि आप अलग-अलग सेक्टर्स की ग्रोथ का फायदा उठा सकें।

सिग्निफाई ने भारत में फिलिप्स वीटाअप पेश किया, जो प्रकाश द्वारा सेहत में सुधार लाएगा

नईदिल्ली, एजेंसी। लाईटिंग की अग्रणी कंपनी, सिग्निफाई ने भारत में फिलिप्स वीटाअप पेश किया है। यह उत्पाद घर के अंदर कम इंटेंसिटी की यूवीबी के साथ सेहत में सुधार लाने के लिए डिज़ाईन किया गया है। फिलिप्स वीटाअप का उद्देश्य हड्डियों और दाँतों को स्वस्थ रखना, प्रतिरक्षा मजबूत बनाना और मूड एवं कॉग्निटिव फंक्शंस में सुधार लाना है। घर के अंदर का वातावरण स्वस्थ रहे, यह आज के समय जरूरी होता जा रहा है क्योंकि लोग अपना ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं। फिलिप्स वीटाअप की रोशनी विटामिन डी बनाने में मदद करती है, जिससे सेहत एवं स्वास्थ्य में सुधार होता है।अध्ययनों में सामने आया है कि दुनिया में लगभग 50 प्रतिशत आबादी विटामिन डी की कमी से पीड़ित है। आधुनिक जीवनशैली में धूप कम मिलने के कारण यह कमी और ज्यादा बढ़ती जा रही है। संडरलैंड में किए गए एक अध्ययन में इसी तरह की एक टेक्नोलॉजी के उपयोग में देखा गया कि कम इंटेंसिटी का यूवीबी एक्सपोज़र विटामिन डी का स्तर बढ़ाता है। आउटडोर एक्सपोज़र के अध्ययनों, इस अध्ययन और वीटाअप के डिमॉन्सट्रेशन रूम्स में किए गए।

सोनालीका ने दिसंबर 2024 में अपना अब तक का सर्वाधिक मासिक कुल मार्किट शेयर 18 प्रतिशत दर्ज किया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने एक नए ज़बरदस्त प्रदर्शन के साथ अपनी वर्ष 2024 की यात्रा पूरी कर ली है और दिसंबर24 में अपना अब तक का सर्वाधिक 18 प्रतिशत मासिक मार्किट शेयर दर्ज करके एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। दिसंबर24 में यह ख़ास उपलब्धि असाधारण 10,639 कुल ट्रैक्टर बिक्री द्वारा संभव हुई, जो दिसंबर23 में बेचे गए 7,999 कुल ट्रैक्टर बिक्री की तुलना में 33 प्रतिशत ज़्यादा रही और कंपनी ने उद्योग की वृद्धि को अनुमान 2.4ङ्क से पीछे कर दिया है। सोनालीका ने अप्रैल-दिसंबर24 में 1,19,369 कुल ट्रैक्टर बिक्री के शानदार प्रदर्शन के साथ वित्त वर्ष25 में अपनी मज़बूत गति जारी रखी है। जो इनोवेशन को बढ़ावा देने और प्रत्येक किसान के लिए अनुकूलित हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टर प्रदान करने हेतु सोनालीका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईएस, आईपीएस का सपना होगा पूरा, इस दिन होंगे रजिस्ट्रेशन

आईएएस, आईपीएस बनने का सपना देखने वालों के लिए जल्द ही मौके आने वाले हैं। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) हर साल भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS), भारतीय राजस्व सेवा (IRS), भारतीय विदेश सेवा जैसी प्रमुख सरकारी नौकरियों के लिए उम्मीदवारों का चयन करता है। इन पदों पर चयन UPSC CSE 2025 परीक्षा के जरिए किया जाएगा। 2025 की संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा (PSC CSE 2025) के लिए जल्द ही रजिस्ट्रेशन शुरू होने वाला है। इसकी परीक्षा की तारीख भी तय हो गई है। आइए आपको बताते हैं कि आप PSC E&ams 2025 के लिए कब से रजिस्ट्रेशन कर पाएंगे और इसके लिए परीक्षा कब दे पाएंगे...

11 फरवरी तक कर सकेंगे आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा के लिए यूपीएससी जल्द ही नोटिफिकेशन जारी करने वाला है। आयोग 22 जनवरी 2025 को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को लेकर नोटिफिकेशन जारी करेगा, जिसके बाद यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यूपीएससी परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा। इस परीक्षा के लिए योग्य उम्मीदवार 11 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे।

कब होगी यूपीएससी प्री की परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 25 मई 2025 को आयोजित की जाएगी। प्रारंभिक परीक्षा में पास होने वाले उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा देनी होगी। क्क्ष्ह्र ष्टस्श्व 2025 की मुख्य परीक्षा 22 अगस्त 2025 को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए पंजीकरण करने के लिए उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवार की आयु कम से कम 21 वर्ष होनी चाहिए। विभिन्न श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए अलग-अलग आयु सीमा निर्धारित की गई है।

कौन बन सकता है ढ्ढस् और ढ्ढक्कस् अधिकारी

आईएएस और आईपीएस अधिकारी बनने के लिए सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार ने किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया हो। ग्रेजुएशन के अंतिम वर्ष में पढ़ने वाले उम्मीदवार भी इस भर्ती में भाग लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 साल होनी चाहिए। सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम आयु 32 वर्ष, ओबीसी वर्ग के लिए 35 वर्ष और एससी/एसटी वर्ग के लिए 37 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

संघ लोक सेवा आयोग (क्क्ष्ह्र) द्वारा ढ्ढस् और ढ्ढक्कस् के पदों पर नियुक्ति के लिए हर साल सिविल सेवा परीक्षा (ष्टस्श्व) आयोजित की जाती है। इस परीक्षा के तीन चरण होते हैं।

पहला चरण- प्रीलिम एग्जाम

दूसरा चरण- मेंस एग्जाम

तीसरा चरण इंटरव्यू

इन चरणों में पहले दो चरण क्वालिफाइंग प्रकृति के होते हैं। पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जाती है, प्रारंभिक परीक्षा में कटऑफ अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही मुख्य परीक्षा (मुख्य परीक्षा) के लिए योग्य माने जाते हैं। इसके बाद दूसरे चरण में मुख्य परीक्षा आयोजित की जाती है और इस परीक्षा में कटऑफ अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी अंतिम चरण साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लेते हैं। अंत में साक्षात्कार प्रक्रिया आयोजित की जाती है। सभी प्रक्रियाओं में सफल अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के अनुसार एक मेरिट सूची तैयार की जाती है। मेरिट सूची पदों के अनुसार तैयार की जाती है।

सामान्य कैटेगरी के उम्मीदवार 6 बार इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 9 अटेम्प्ट निर्धारित किये गए हैं।

एससी/एसटी वर्ग के कैंडिडेट्स के लिए 37 वर्ष की आयु तक असीमित अटेम्प्ट हैं।

हमारे न्यूज़लेटर की सदस्यता लें! विशेष ऑफ़र और नवीनतम समाचार प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति बनें

सैनिक स्कूल में दाखिला पाने का सुनहरा मौका, जानें पैटर्न और सिलेबस

ढ्ढस्स्श्व 2025 कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए सैनिक स्कूलों में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के माध्यम से छात्र देशभर के प्रमुख सैनिक स्कूलों में दाखिला पा सकते हैं। यहां जानें परीक्षा के पैटर्न और सिलेबस के बारे में।

सैनिक स्कूलों में कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 का आयोजन किया जाएगा। पहले इस परीक्षा की तारीख 19 जनवरी 2025 निर्धारित की गई थी, लेकिन अब इसे रद्द कर दिया गया है और जल्द ही नई तारीख की घोषणा की जाएगी। बता दें कि, सैनिक स्कूलों में प्रवेश काफी कठिन होता है, लेकिन अगर बच्चों की तैयारी सही दिशा में की जाए तो ये प्रक्रिया काफी सरल हो सकती है। सही मार्गदर्शन और समर्पण से बच्चे इस परीक्षा को आसानी से पास कर सकते हैं। ध्यान रखें कि अच्छी तैयारी और स्वस्थ जीवनशैली परीक्षा में सफलता की कुंजी है। आइए जानते हैं, सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के पैटर्न और सिलेबस के बारे में।

नीट परीक्षा में बड़े बदलाव, केंद्र ने पैनल की सिफारिशों को दी मंजूरी

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 के लिए परीक्षा का आयोजन ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम के तहत किया जाएगा। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 और 9 में योग्य छात्रों का चयन करना है। सैनिक स्कूल का उद्देश्य छात्रों को शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि वे भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में अपना करियर बना सकें।

ह्रज्ञ से छीनी भर्ती परीक्षा की जिम्मेदारी, अब एंट्रेंस टेस्ट पर फोकस

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 का पैटर्न

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का पैटर्न कक्षा 6 और कक्षा 9 के लिए अलग-अलग होंगे।

परीक्षा की भाषा-

कक्षा 9 की प्रवेश परीक्षा का पेपर केवल अंग्रेजी में होगा।

कक्षा 6 का पेपर अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, ओडिया, बंगाली, आसमी, पंजाबी, तमिल, गुजराती, तेलुगु, कन्नड़, उर्दू, और मलयालम में होगा।

कक्षा 6 के लिए परीक्षा पैटर्न-

समय- 150 मिनट प्रश्नों की संख्या- 125 प्रश्न

परीक्षा का मोडः पेन और पेपर मोड (OMR शीट)

प्रश्न प्रकारः बहुविकल्पीय (MCQs)

निगेटिव मार्किंगः नहीं की जाएगी

मार्किंग स्कीम (सैनिक स्कूल परीक्षा 2025 - कक्षा 6)-

सेक्शन	टॉपिक	प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक
ए	भाषा	25	2	50
बी	मैथमेटिक्स	50	3	150
सी	इंटेलिजेंस	25	2	50
डी	जनरल नॉलेज	25	2	50
	कुल	125		300

कक्षा 9 के लिए परीक्षा पैटनः

समयः 180 मिनट प्रश्नों की संख्याः 150 प्रश्न

परीक्षा का मोडः पेन और पेपर मोड (OMR शीट)

प्रश्न प्रकार- बहुविकल्पीय (MCQs)

निगेटिव मार्किंगः नहीं की जाएगी

मार्किंग स्कीम (सैनिक स्कूल परीक्षा 2025 - कक्षा 9)-

सेक्शन	टॉपिक	प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक
ए	मैथमेटिक्स	50	4	200
बी	इंटेलिजेंस	25	2	50
सी	इंग्लिश	25	2	50
डी	जनरल साइंस	25	2	50
ई	सोशल साइंस	25	2	50
	कुल	150		400

पासिंग मार्क्स-

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में कम से कम 25ø अंक हासिल करने होंगे, तभी छात्र को चयनित माना जाएगा।

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 के सिलेबस की जानकारी-

कक्षा 6 के लिए सिलेबस सीबीएसई कक्षा 5 के स्तर का होगा और कक्षा 9 के लिए सिलेबस सीबीएसई कक्षा 8 के स्तर का होगा।

परीक्षा फीस में बढ़ोतरी की तैयारी, छात्रों की जेब पर पड़ेगा सीधा असर

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कैसे करें?

सिलेबस और परीक्षा पैटर्न को अच्छे से समझें।

स्टडी प्लान बनाकर पढ़ाई करें और समय प्रबंधन पर ध्यान दें।

गणित पर ज्यादा ध्यान दें क्योंकि इसमें अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं।

प्रैक्टिस करें, पुराने प्रश्नपत्र हल करें और मॉक टेस्ट लें।

शारीरिक फिटनेस भी जरूरी है, ताकि आपका बच्चा मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत हो।

महाकुंभ के लिए एमपी से चलेगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

भोपाल। अगर आप प्रयागराज महाकुंभ और भारत के कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के दर्शन, तीर्थ यात्रा की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। मध्य प्रदेश से महाकुंभ के साथ ही वाराणसी, गंगासागर और जगन्नाथ पुरी यात्रा के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलने वाली है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट) ने मध्य प्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलाने की तैयारी है। यह ट्रेन 6 फरवरी 2025 को इंदौर से महाकुंभ के साथ वाराणसी, गंगासागर और पुरी यात्रा के लिए रवाना होगी। आइए जानते हैं इस पर्यटक ट्रेन की सेवा, टूर पैकेज के बारे में और टिकट कितने रुपए की होगी।

इतने दिन का होगा यात्रा पैकेज

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन से यात्रा कराने का उद्देश्य तीर्थ यात्रियों को महाकुंभ (प्रयागराज), वाराणसी, गंगासागर, कोलकाता और पुरी जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन कराना है। यह यात्रा आठ रातों और नौ दिनों की होगी, जिसमें यात्रियों को एक यादगार धार्मिक अनुभव मिलेगा। यह ट्रेन इंदौर, देवास, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर और कटनी स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इस दौरान यात्री इन स्टेशनों से भी यात्रा में शामिल हो सकते हैं। यात्रा के दौरान तीर्थ यात्री प्रयागराज (महाकुंभ), गंगासागर, कोलकाता और पुरी के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगे।

इस यात्रा पैकेज में यात्रियों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। आरामदायक रेल यात्रा के साथ ही यात्रियों को ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, गुणवत्तापूर्ण बसों से दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास व्यवस्था, टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग सेवाएं शामिल हैं। यह ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति और इटारसी से होकर गुजरेगी।

बता दें कि 13 जनवरी से शुरू होने वाले प्रयागराज महाकुंभ को तैयारियां जोरों पर है। महाकुंभ मेले में दूर-दूर से लोग शामिल होने वाले हैं। महाकुंभ मेले को लेकर ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट ने कई सुविधाएं की हैं। ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट ने प्रयागराज महाकुंभ के लिए टेंट सिटी की अलग से बुकिंग की भी सुविधा प्रदान की है। जिसे आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर या अधिकृत एजेंट के माध्यम से कराया जा सकता है।

श्रद्धालुओं को मिलेगी बड़ी राहत, इन गाड़ियों से नहीं लिया जाएगा टोल टैक्स

प्रयागराज। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलने जा रही है। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ मेला के दौरान, रीवा राजमार्ग, मीरजापुर मार्ग, वाराणसी मार्ग, कानपुर मार्ग, लखनऊ राजमार्ग और अयोध्या राजमार्ग पर स्थित प्रमुख टोल नाकों पर श्रद्धालुओं के निजी वाहनों से टोल टैक्स नहीं लिया जाएगा। यह छूट पूरे महाकुंभ की अवधि तक लागू रहेगी, जो इस बार विशेष रूप से श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी सुविधा होगी।

कौन-कौन सी गाड़ियां रहेंगे टोल से बाहर- निजी वाहन जैसे जीप और कार, चाहे उनका पंजीकरण कमर्शियल क्यों न हो, इनसे टोल नहीं लिया जाएगा। वहीं महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के निजी वाहनों को भी टोल टैक्स से मुक्त रखा जाएगा, जैसा कि पिछले महाकुंभ 2019 में भी हुआ था।

टोल छूट से बाहर रहेंगी ये गाड़ियां- हालांकि, यह छूट भारी वाहनों पर लागू नहीं होगी। ऐसे वाहनों से टोल टैक्स लिया जाएगा, जिन पर माल लदा हुआ होगा। उदाहरण के तौर पर, निर्माण सामग्री जैसे सरिया, सीमेंट, बालू, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स से भरे हुए ट्रक और अन्य मालवाहन इन नियमों के दायरे में आएंगे और उनसे टोल लिया जाएगा।

टोल छूट का उद्देश्य- महाकुंभ मेला के दौरान श्रद्धालुओं को आने-जाने में कोई असुविधा न हो, इसके लिए यह कदम उठाया गया है। इस छूट से श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान एक बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि उन्हें अब महाकुंभ के रास्ते में स्थित टोल नाकों पर शुल्क नहीं देना पड़ेगा। यह सुविधा 45 दिनों तक जारी रहेगी, जिससे महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालु बिना किसी अतिरिक्त खर्च के यात्रा कर सकेंगे।

ओकाया ईवी ने ओपीजी मोबिलिटी के रूप में नया ब्रांड नाम अपनाया,

अपने बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो के लिए एक नए और साहसिक दृश्य पहचान का किया अनावरण

नई दिल्ली, भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में, ओकाया ईवी गर्व से अपनी नई ब्रांड पहचान ओपीजी मोबिलिटी का अनावरण करता है। यह रीब्रांडिंग कंपनी की अत्याधुनिक डिज़ाइन, भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकी, और टिकाऊ, सुरक्षित उत्पादों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो भारत के गतिशील उपभोक्ता आधार की बदलती जरूरतों को पूरा करती हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, ओपीजी मोबिलिटी देश भर में एक व्यापक डीलर नेटवर्क का लाभ उठाएगी। यह ब्रांड दो उप-ब्रांडों में विभाजित होगा- फेराटो, जो प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों और स्कूटरों को समर्पित है, और ओटोपीजी, जो यात्री और माल ढुलाई जैसे तीन-पहिया वाहनों पर केंद्रित है। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में, ओपीजी मोबिलिटी अपनी नई ब्रांडिंग के तहत अपना पहला उत्पाद लॉन्च करेगा और अपनी पूरी रेंज के उन्नत इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रदर्शित करेगा। इसमें मौजूदा मॉडल्स शामिल हैं जिनकी उत्पाद दक्षता में सुधार किया गया है, और अब इनमें ओपीजी मोबिलिटी का लोगो होगा। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी में कंपनी की 40 साल की मजबूत धरोहर ने इसे भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो उच्च गति और निम्न गति वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर, प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक, और यात्री और माल ढुलाई जैसे तीन-पहिया वाहनों का विविध पोर्टफोलियो पेश करता है।

इस रोमांचक विकास पर टिप्पणी करते हुए, ओपीजी मोबिलिटी के प्रबंध निदेशक श्री अंशुल गुप्ता ने कहा-

÷बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में वर्षों की नेतृत्व क्षमता के बाद, हमें ओकाया ईवी से ओपीजी मोबिलिटी में रूपांतरित होने पर बेहद खुशी हो रही है, जो एक संपूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन समाधान प्रदान करने वाला प्रदाता है। यह रीब्रांडिंग केवल एक नया नाम नहीं है, बल्कि यह भारत के तेजी से विकसित होते ईवी बाजार में आगे रहने के लिए एक रणनीतिक कदम है। हम आज के भारतीय उपभोक्ताओं से जुड़ने की आवश्यकता को समझते हैं, और यह नई पहचान हमारे आधुनिक डिज़ाइन, उन्नत प्रौद्योगिकी और कस्टमर - फर्स्ट दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा नया लोगो हमारी नवीनीकरण ऊर्जा और एक युवा, तकनीकी रूप से सक्षम दर्शकों से जुड़ने की हमारी इच्छा का भी प्रतीक है।÷

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने बायर एजी से एथोक्सीसल्फ्यूरॉन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के साथ चावल के खरपतवारनाशकों में नेतृत्व को मजबूत किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि नवाचार में अग्रणी, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ने घोषणा की है कि वह कुछ एशियाई देशों में बिक्री के लिए बायर एजी से इसके सक्रिय घटक एथोक्सीसल्फ्यूरॉन का वैश्विक स्तर पर अधिग्रहण करेगा। इस अधिग्रहण को क्रिस्टल का 13वां अहम लेनदेन माना जा सकता है और वर्ष 2021 में भारतीय कपास, बाजरा और सरसों के बीज पोर्टफोलियो के अधिग्रहण के बाद यह बायर से किया गया दूसरा अधिग्रहण है। इस समझौते से विश्वसनीय सनराइस ट्रेडमार्क और एथोक्सीसल्फ्यूरॉन युक्त मिश्रण उत्पाद के साथ-साथ सभी पंजीकरण भी प्राप्त होंगे। एथोक्सीसल्फ्यूरॉन चावल (धान) में चौड़ी पत्ती वाले सेज और खरपतवारों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करने के लिए जाना जाता है, जिससे यह क्रिस्टल के पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त मूल्यवर्धन बन जाएगा।

आईडी फ्रेश फूड भोपाल में लेकर आया है ऑथेंटिक साउथ इंडियन इडली डोसा बैटर

भोपाल। फ्रेश और नेचुरल फ़ूड प्रोडक्ट्स में भारत का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड आईडी फ्रेश फूड तेजी से आगे बढ़ने की दिशा में काम कर रहा है। बैंगलोर स्थित इस कंपनी ने अपने पैन इंडिया ग्रोथ प्लान के हिस्से के रूप में भोपाल में अपने विस्तार की घोषणा की हैं। बढ़ती हुई कंज्यूमर डिमांड को पूरा करने के लिए एक रणनीतिक कदम में, कंपनी अपने प्रोडक्ट्स की रेंज पेश कर रही है, जिसमें इसका ऑथेंटिक और मुख्य प्रोडक्ट, इडली-डोसा बैटर शामिल है, जिससे देश भर में लोकप्रिय साउथ इंडियन नाश्ता व्यंजन साझा किया जा सके। भोपाल के उपभोक्ता अब आईडी के मालाबार परोटा, गेहूं का लच्छा पराठा, पनीर, दही और कॉफी का भी आनंद ले सकते हैं। ब्रांड जल्द ही बाजार में अपने बाकी प्रोडक्ट्स, जैसे मसाले और चटनी भी लॉन्च करेगा।

आईडी फ्रेश फ़ूड के सीईओ (भारत) रजत दिवाकर ने कहा, हम आईडी फ्रेश के ऑथेंटिक, नेचुरल और प्रिजर्वेटिव-फ्री प्रोडक्ट्स को वाईब्रेंट सिटी भोपाल में लाकर बहुत ज्यादा उत्साहित हैं। भोपाल हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मार्केट है, क्योंकि इसने हमें रिच फ़ूड कल्चर एवं नेचुरल और ट्रेडिशनल फ्लेवर्स पसंद करने वाले कस्टमर्स दिए है। यहां हमारा विस्तार हमारी पैन इंडिया ग्रोथ प्लान में एक महत्वपूर्ण कदम है, और हम भोपाल कम्युनिटी से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं, हम ऐसे प्रोडक्ट्स ला रहे हैं जो हाई क्वालिटी वाले और सेहतमंद विकल्प पसंद करने वाले लोगों की पसंद के हिसाब से है।

2024 में पूरे भारत में अपना कारोबार तेजी से बढ़ाने की इस योजना की शुरुआत आईडी की अभूतपूर्व सफलता के आधार पर हुई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 554 करोड़ रुपये का रेवेन्यु कमाया और वित्त वर्ष 2025 में इसे बढ़ाकर 700 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। वास्तव में, कंपनी के ऑपरेशनल रेवेन्यु में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो पिछले साल के 340.9 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 395.76 करोड़ रुपये हो गया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री से मिले सांसद

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू भोपाल प्रवास के दौरान प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री, प्रहलाद पटेल से मुलाकात की और छिंदवाड़ा के विकास को लेकर चर्चा की सांसद ने मंत्री जी को अवगत कराया कि छिंदवाड़ा पान्दुर्ना जिले के म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण का सुचारू कार्य संचालन हेतु छिंदवाड़ा में दो एवं पांढुर्णा में एक इकाई कार्यरत है। लेकिन मुख्यालय भोपाल के आदेश के द्वारा युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत छिन्दवाडा में एक इकाई कर दी गई हैं तथा पांढुर्णा हेतु पृथक से नवीन इकाई प्रारंभ की गई हैं। सांसद बंटी विवेक साहू ने मंत्री प्रहलाद पटेल को पत्र सौंपकर अवगत कराया कि जिला छिन्दवाड़ा क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा जिला है। वर्तमान में छिन्दवाडा जिले में 73 मार्ग व 22 ब्रिज एवं 1020 मार्गो का संधारण व रख रखाव प्रचलन में हैं। पी.एम. जनमन योजना के अंतर्गत 26 नवीन ब्रिज, क्षतिग्रस्त / जलमग्न संरचना के 35 मार्ग व पी.एम.जी.एस.वाय-4 के अंतर्गत 89 मार्ग, इस प्रकार कुल 1265 मार्ग एवं ब्रिज प्रगतिरत अथवा निविदा की स्थिति में हैं। कार्यों एवं जिले के भौगोलिक क्षेत्रफल को देखते हुए कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कर्मचारियों की आर्थिक एवं पारिवारिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए, पाण्डुर्णा जिले में एक इकाई के अतिरिक्त जिला छिन्दवाडा में पूर्व की भांति दो इकाईयों को यथावत संचालित कराने का अनुरोध किया।

अवधेश प्रताप सिंह बने एसपी

छिंदवाड़ा। ए.एस.पी अवधेश प्रताप सिंह का प्रमोशन हो गया है, वे एस.पी. बन गये है, किन्तु अभी उनकी पोस्टिंग नहीं हुई, एस.पी बनने पर उन्हें छिंदवाड़ा प्रेस एसोसिएशन के सचिव अविनाश सिंह ने बधाई दी।

करंट लगने से मौत

छिंदवाड़ा। चांद के युवा शुभम निखिल चौरसिया का करंट लगने से मौत हो गई बताया जाता है कि वे खेत में मोटर सुधार रहे थे मोटर में करंट होने से उनकी घटना स्थल पर मौत हो गई।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजन 312 मरीजों की जाँच

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के नगर में आराधना विद्यालय में नि:शुल्क जाँच शिविर लगाया गया । जिसमें 312 मरीजो की जाँच की गई । निशुल्क दवाइयां वितरण की गई । शिविर में यूनाइटेड हेल्थ वर्कर वेलफेयर एसोसिएशन ऑल इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सोहेल खान प्रदेश सचिव डॉ. नरेन्द्र सोनी । सुश्री अर्चना लोखंडे डॉ. नीरा पराड़कर डॉ. अन्नपूर्णा कोलारे डॉक्टर शबाना यास्मीन खान डॉ. सविकी चोरे ने छिंदवाड़ा से आकर अपनी सेवाएं दी । इस अवसर पर हैप्पी किड्स पब्लिक स्कूल संचालक रिम्पी खण्डूजा के जन्म दिन के उपलक्ष्य में केक काट कर स्वागत किया गया व उनके द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई । कार्यक्रम में मुख्य रूप से बॉबी खण्डूजा अकबर खान विशेष रूप से उपस्थित थे । शाला के प्राचार्य सैफ खान के द्वारा सभी का स्वागत किया गया । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में के,एन गुप्ता प्राचार्य कन्या शाला रेणुका बातरी यमुना दुवे शंकर लाल साहू राम नारायण तिवारी बार्ड 11 के पार्षद लोक निर्माण विभाग के सभापति पवन सूर्यवंशी वार्ड 12 की पार्षद सुषमा चौरसिया दुलारी मालवी मन्जु सोनी रुविना गाँधी फेमुन्निशा कुरेशी नीलोफर खान पूनम कैथवास सावित्री वर्मा पूजा मरकाम प्रतिभा सोनी उर्मिला रजक सुनीता यादव स्वेता दास गुप्ता जहरुन्निशा खान वीर बहादुर सिंह दानिस खान पीयूष महोरे अशोक डेहरिया प्रवीण मरकाम एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जनसम्पर्क अधिकारी की नियुक्ति करने की मांग

जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पांढुर्ना। शुक्रवार की दोपहर मध्य प्रदेश श्रमजिवी प्रत्रकार संघ जिला पांढुरना और मीडिया संगठन के तत्वाधान में जिले के पत्रकारों ने जिला कलेक्टर अजय देव शर्मा से कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौजन्य भेट की इस अवसर पर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बंधु उपस्थित थे। श्रमजिवी प्रत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष सचिन (गुड्डू) कावले ने जिला कलेक्टर अजय देव शर्मा

से चर्चा उपरांत शासन की योजनाओं की जानकारी और जिला प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन की जानकारी जनहित में प्रकाशित करने मध्यप्रदेश शासन के जनसम्पर्क अधिकारी की नियुक्ति करने की अत्यंत आवश्यकता होना बताया है। हालही में पांडुरना जिला बनने विगत एक वर्ष की अवधि समाप्त होने के उपरांत भी, पांढुर्णा में जनसम्पर्क अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने से विशेष अनुरोध किया की समय-समय पर शासन-प्रशासन ?द्वारा जनहितार्थ योजनाओं के प्रकाशन एवं समाचारों से सब्धित प्रेस-नोट पांडुरना जिले के समस्त मिडिया जगत के बंधुओं दिलाने की मांग रखी साथ ही पांढुरना जिले में जनसंपर्क अधिकारीकी नियुक्ति कर कार्यालय की स्थापना करने की मांग की है इस अवसर पर मध्य प्रदेश श्रमजिवी प्रत्रकार संघ जिला पांढुरना प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बंधु उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह मनाये जाने के संबंध में बैठक

पुलिस ग्राउंड में आयोजित होगा ध्वजारोहण का मुख्य कार्यक्रम

छिन्दवाडा। जिले में गणतंत्र दिवस समारोह मनाये जाने के संबंध में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक संपन्न हुई। बैठक में पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस मनाये जाने के संबंध में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और तदनुरूप अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अग्रिम कुमार, अपर कलेक्टर के.सी. बोपचे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, जिला जेल अधीक्षक, डीएसपी यातायात व रक्षित निरीक्षक सहित सभी विभागों के प्रमुख एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि इस वर्ष भी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह पूरे जिले में गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जायेगा। सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व से ही कर लें। शासन द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार ही जिले में गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में प्रात:- 7. 30 बजे और कलेक्टर कार्यालय में प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। इसके बाद प्रातः 8.45 बजे मुख्यालय के सभी शासकीय अधिकारी व कर्मचारी मुख्य कार्यक्रम स्थल पुलिस परेड ग्राउंड पर अनिवार्यतः उपस्थित रहें। जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य कार्यक्रम स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड पर प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम के लिए मंच, पंडाल व्यवस्था, परेड, बैंड की व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, मैदान की साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, ग्राउंड सुधार, शामियाना, बैनर, होर्डिंग आदि की व्यवस्था, पुरस्कार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड, व्यायाम प्रदर्शन, झांकियों का प्रदर्शन, उद्घोषणा, माईक, ध्वनि विस्तारक यंत्र व जनरेटर की व्यवस्था, गमले, पेयजल, मिष्ठान्न वितरण, रंगोली, आमंत्रण पत्र मुद्रण व वितरण, गुब्बारा, यातायात व्यवस्था, ध्वज व पुष्पों की व्यवस्था, जिप्सी, वीआईपी वाहन व्यवस्था, एम्बुलेंस एवं अन्य कार्यो के लिये संबंधित विभाग आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दें। संपूर्ण व्यवस्था के प्रभारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक होंगे।

मुख्य कार्यक्रम में 15 विभागों द्वारा विभागीय विकास गतिविधियों को दर्शाते हुए झांकियां लगाई जाएंगी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी झाकियों की थीम अभी से निर्धारित कर लें और अच्छी गुणवत्ता व अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ झांकियां तैयार कराएं। इनमें शासन की बड़ी योजनाओं, स्टेट अथवा नेशनल लेवल पर विभाग के अचीवमेंट का प्रदर्शन भी शामिल किया जा सकता है। विभाग प्रमुख अच्छा कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के नाम 20 जनवरी तक उपलब्ध करायें। इनमें राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर कोई उपलब्धि हासिल करने वाले शासकीय सेवकों को अनिवार्य रूप से शामिल करें। फील्ड में और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करने वाले अमले का नाम भी दें। पुरुस्कार के लिए सभी को मौका दें, जिससे पुरुस्कार की गरिमा व महत्ता बनी रहे, साथ ही दूसरे शासकीय सेवक भी प्रेरित हों। उन्होंने मुख्य कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित करने के निर्देश भी दिये। साथ ही जिले भर में ध्वज संहिता का पूरी तरह पालन करते हुए ध्वजारोहण सुनिश्चित कराने और गणतंत्र दिवस के अवसर पर रात्रि में शासकीय भवनों एवं ऐतिहासिक इमारतों में रोशनी करने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि परेड का पूर्वाभ्यास 12 जनवरी से प्रारंभ हो जायेगा। इसमें सम्मिलित होने वाले सभी दल 12 जनवरी से ही फुल स्ट्रेंथ और फुल ड्रेस अप के साथ रिहर्सल के लिए उपस्थित रहें। अंतिम पूर्वाभ्यास 24 जनवरी को प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये हैं कि इस कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित करें और अधिकारी, कर्मचारी भी उपस्थित रहें। उन्होंने कार्यक्रम की सभी समुचित व्यवस्थायें समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये।

बीच बाजार होटल, ढाबा, भोजनालय में सज रहे है मयखाना

जुन्नारदेव। जुन्नारदेव ठेकेदार के गुर्गे शहर मे जिससे जब चाहे मार पीट कर रहे ! शराब का धंधा परम चरम पर है ! कच्ची,पक्की शराब की बहुतायत क्षेत्र मे बढ़ती जा रही है ! जगह -जगह मयखाने सज रहे है !जाम छलक रहे है ! शराब का ठेका हुआ शराब बेचने का निर्धारित स्थान पर बेचने का लाइसेंस मिला लेकिन गली- गली मे शराब बिक रही है ! या बिकबाई जा रही है !*हद तो तब हो गई जब ना जाने किस ठेकेदार की शराब बाजार के एक मयखाने मे खुले आम बिक रही शराब के नशे मे शहर के मध्य स्तिथ मयखाने मे शराब ठेकेदार के गुर्गे और शराब पी रहे युवक के बीच झूमा झटकी के बाद जमकर विवाद हुआ ! सूत्रों के अनुसार विवाद थाने तक ना पहुचे कोई मामला ना दर्ज हो ये इस डर से दोनों पक्षो ने आपसी समझौता कर मामले को शांत किया !*शहर मे संचलित मयखानो मे आये दिन हो रहे विवाद किसी दिन बड़ा और गंभीर रूप ना ले सकता है !*

9 जनवरी से प्रारंभ होगा कबड्डी का महाकुंभ

छिंदवाड़ा। जनजागरण मंच प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विश्व आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 9 जनवरी से 12 जनवरी तक दशहरा मैदान में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं जिसमे देश की प्रसिद्ध टीमें भाग लेंगी प्रतियोगिता के सफलतार्थ आज महत्वपूर्ण बैठक प्रतियोगिता स्थल दशहरा मैदान के मच पर आयोजित की गई । बैठक में अनेक व्यवस्थाओ पर चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं को उनके कार्य दायित्व सौंपा गया । प्रतियोगिता में 9 जनवरी को जिलास्तरीय तथा 10 तारीख से अखिल भारतीय प्रतियोगिता प्रारंभ होगी और प्रतियोगिता का समापन 12 जनवरी को पुरुस्कार वितरण के साथ समापन होगा । बैठक में विशेष रूप से प्रतियोगिता संयोजक रमेश पोफली,राजू नरोटे, मैच कमिश्नर इंद्रजीत सिंह बैस,निरपत सिंह टेकरे, नंदकिशोर शुक्ला, सुशील पटवा,जी एस आर नायडू,मुकेश सोनी, अजय सिंह ठाकुर,कुमार सर,प्रदीप पटवारी,जावेद खान,रोहित पोफली ,गुरुदयाल शास्त्री, रविंद्र पोफली,सुदीप काले,मुकेश तांडेकर, संदीप विश्वकर्मा, बंटी घोरके,कृपाशंकर राय, अशोक ठाकरे,छगन पटेल,मनीष नेमा, विवेक पोफली,सोमन उइके उपस्थित रहे।

लाल बहादुर शास्त्री क्लब दिल्ली विजेता तो सतपुड़ा टाइगर क्लब छिंदवाड़ा बनी उपविजेता

अमरवाड़ा। स्व. श्रीमती निर्मला ठाकुर की स्मृति मे प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी अमरवाड़ा नगर के स्टेडियम ग्राउंड जनचेतना क्लब के तत्वधान में लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया !क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन अवसर पर चौरई विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक पं रमेश दुबे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए !* कार्यक्रम की अध्?यक्षता मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम नारायण ठाकुर ने की ! प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला छिंदवाड़ा के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश पोफली एवं परासिया विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ताराचंद बाबरिया रहे ! रोमांचक फाइनल मुकाबले में दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री क्लब टीम विजेता रही जबकि छिंदवाड़ा की सतपुड़ा टाइगर क्लब टीम उपविजेता बनी ! विजेता टीम को 51 हजार रुपए एवं ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 31 हजार रुपए एवं ट्रॉफी मुख्यतिथि श्री दुबे के करकमलों से प्रदान की गई ! साथ ही अमरवाड़ा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रो मैं अपना कला कौशल दिखाने वाले प्रतिभावान लोगों का सम्मान भी किया गया !उक्त प्रतियोगिता में उत्तम ठाकुर जी, बसंत चौबे जी, अशोक तिवारी जी, देवेंद्र जैन, ईश्वर सिंह चौधरी, राजू चचड़ा, नवीन जैन, अमरवाड़ा नगर मंडल अध्यक्ष गोल्डी नेमा, चौरई नगर पालिका सभापति महेंद वर्मा, शुभम पालीवाल, नीरज वर्मा, सलीम खान, जनपद सदस्य राहुल वर्मा, अंकित वर्मा, अनिल श्रीवास्तव, गोटू नेमा सहित बड़ी संख्या में दर्शक और अमरवाड़ा शहर के नागरिकों ने दिल्ली ओर छिंदवाड़ा की टीम के शानदर मेच का आनंद लिया !

राजगुरु पिपरिया में लगी भीषण आग दो मकान जल कर हुए खाक

लाखो रुपए की हुई हानि आग बुझाने पर तीन लोग घायल

अमरवाड़ा। नगर के समीप ग्राम पिपरिया राजगुरु में रविवार सोमवार रात्रि में दो मकान में आग लगने से लाखों रुपए की नुकसानी हुई है और आग बुझाते हुए परिजन झुलस गए जिन्हें अमरवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और अमरवाड़ा से जिला अस्पताल रिफर करदिया गया है जानकारी के अनुसार पिपरिया राजगुरु के रहने वाले राजेश वंशकार और राजकुमार वंशकार दोनों के मकान आजू-बाजू में हैं जिनके मकान में गैस लीक होने की वजह से आग लग गई और लाखों रुपए के नुकसान हुई है इस दौरान राजेश वंशकार अनीता बांधकर और अभिषेक वंशकार आग में झुलस गए जिन्हें अमरवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती कराया और यहां से जिला अस्पताल भेज दिया गया है मौके पर आसपास के लोगों ने तत्काल अमरवाड़ा फायर बी ग्रेड को सूचित किया और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया मौके पर पुलिस भी पहुंची

प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान स्वीकृत करने की मांग

:आगजनी की घटना के बाद दोनों पीड़ित परिवार गरीब परिवार से हैं और बजा बजाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं इनके मकान आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत करने की मांग की गई है ताकि कुछ राहत हो सके और परिवार में मुआवजा लोगों से सहयोग कीअपील की

नकुलनाथ ने शिव महापुराण कथा का किया श्रवण

भगवान शिव सुख व कल्याण के मूल स्रोत हैं

छिन्दवाड़ा– जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ अपने पूर्व निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार शहर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। शिव महापुराण कथा स्थल पहुंचकर भगवान शिव की कथा का श्रवण करने के उपरांत गुरूद्वारा साहिब पहुंचकर माथा टेका और जिले, प्रदेश व देश के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।शहर के सिवनी रोड रेलवे स्टेशन के समीप स्थित मोहन सिंह चौधरी के निवास पर आयोजित शिव महापुराण कथा में सम्मिलित हुए नकुलनाथ ने व्यासपीठ की विधि विधान से पूजन अर्चन कर कथा वाचक महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किए।

गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका

छिन्दवाड़ा। गुरु साहिब गोबिंद सिंह जी की जयंती पर गुरुद्वारा साहिब में भव्य व दिव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए श्री नकुलनाथ ने गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका और जिले, प्रदेश व देश के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की ओर से नगर व जिलेवासियों को गुरु साहिब गोबिंद सिंह जी की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

नकुल नाथ ने मक्के की रोटी व सरसों के साग खाया और गन्ने का रस पिया

छिन्दवाड़ा। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ अपना काफिला रूकवाया और अचानक गन्ना उत्पादक किसानों के बीच पहुंचे। किसानों ने चर्चा में उन्हें बताया कि विगत कुछ वर्षों से गन्ने के दाम में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी नहीं हुई जिसके चलते कई बार तो लागत निकालना भी मुश्किल साबित होता है। इस दौरान पास ही में चल रहे घाने में गन्ने से रस निकाला और गुड़ के उत्पादन के सम्बंध में जानकारी ली। नकुलनाथ ने क्षेत्र के उपस्थित किसानों से चर्चा में कहा कि जिले, प्रदेश व देश में किसान फसलों का उत्पादन तो कर रहा किन्तु उसे अपनी ही उपज के दाम तय करने का अधिकार प्राप्त नहीं है। देश के किसान अपनी जायज मांगों को लेकर लगातार आंदोलित हो रहे हैं। लागत बढ़ने व फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलना अब आम बात हो चुकी। प्राकृतिक आपदा से नष्ट हुई फसलों का मुआवजा देने की बात भाजपा सरकार की ओर से कही गई थी, किन्तु हमारे जिले के एक भी किसान को मुआवजा नहीं मिला। मुआवजा तो दूर की बात उनके खेतों में नष्ट हुई फसलों का सर्वे तक नहीं कराया गया।

जल संसाधन विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री को सिवनी कलेक्टर ने जमकर लगाई फटकार

छिंदवाड़ा। प्रदेश के लिए यह खुशी की बात है कि सिंचाई के लिए अनेकों परियोजनायें है एवं शासन में बजट भी दिया हुआ, किन्तु काम करने वाले अधिकारी नहीं है। जल संसाधन विभाग में अरबो के काम है किन्तु पूरा विभाग प्रभारियों के भरोसे चल रहा है, जो काम की प्रगति न देखकर सिर्फ ठेकेदार को भुगतान करने में लगे हैं, धरातल में काम कुछ नहीं, किन्तु करोड़ों के भुगतान हो गये, दक्षिण भारत की ठेका कम्पनी जिसके बारे में कहा जाता है कि ठेके पर यह काम तो लेती है और फिर अधिकारियों पर दबाव डाल कर करोड़ों का भुगतान भी ले लेती है, उदाहरण के तौर पर छिंदवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स जिसमें धरातल पर कोई काम नहीं किन्तु करोडों का सर्वे के नाम पर भुगतान हो गया। विभाग ने कितन भुगतान किया, जनप्रतिनिधियों को नहीं मालूम क्योकि विभाग के अधिकारी इनसे मिलते ही नहीं है, नही मिलने का परिणाम है।

बताया जाता है कि एक अधिकारी को कलेक्टर ने बुरी तरह फटकार लगाई, पिछले दिनों सिवनी की कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन ने दिशा की बैठक ली जिसमें मण्डला के सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते, बालाघाट की सांसद श्रीमती सीमा पारधी एवं सभी क्षेत्रीय विधायक उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा में कार्यरत प्रभारी कार्यपालन यंत्री सन्तकुमार सिरसाम जिनके पास छिंदवाड़ा में बांध का कार्य है, इसके अलावा इनके पास सिवनी जिले की शेढ परियोजना जो 1600 करोड़ रूपये की है और माचागौरा परियोजना 560 करोड़ रूपये की है। सिवनी एवं नरसिंगपुर की शेढ परियोजना बढ़ी है, जिसका प्रभार सन्तकुमार सिरसाम के पास है। वे कलेक्टर को ऊंगली उठाकर बताने लगे, तो कलेक्टर भड़क गई और सिरसाम से कहा कि अपनी ऊंगली नीचे करो और अभी तक तुमने परियोजना के संबंध में जानकारी क्यों नहीं दी, और अभी तक कलेक्टर से मिले क्यों नही। बताया जाता है कि जब कलेक्टर डांट रही थी तब सिवनी के विधायक मुनमुन राय बैठे हुये थे, उन्होने कलेक्टर को बताया कि ये सब इंजीनियर के लायक नहीं है, किन्तु प्रभारी कार्यपालन यंत्री है। कलेक्टर का गुस्सा देख अन्य अधिकारी सहम गये, बताया जाता है कि शेढ परियोजना में भी करोड़ों का भुगतान कर चुके है किन्तु फील्ड पर कुछ नहीं है। प्रदेश सरकार के पास अधिकारियों की कमी है मुख्यमंत्री ने कभी इसकी समीक्षा नहीं की अरबों की परियोजनाओं में अधिकारियों की कमी के कारण कार्य में गति नहीं आ रही है और ठेकेदार प्रभारी अधिकारियों पर दबाव डाल कर भुगतान लेते जा रहे है। छिंदवाड़ा के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह जब छिंदवाड़ा आये थे तब उनसे सिंचाई काम्पलेक्स भुगतान की बात कही थी तो उन्होने कहा था कि ठेकेदार ने एडवान्स पेमेन्ट ले लिया है और भुगतान नहीं करेगें तो वह काम नहीं करेगा और विभाग का रूपया डूब भी सकता है।

निक्षय शिविर में की गई 136 लोगों के एक्स-रे जांच

छिन्दवाड़ा। जिले में चल रहे 100 दिवसीय निक्षय शिविर के अंतगत क्षय रोग की पहचान के लिये आज शहर की परासिया रोड पर अपनी रसोई, संजू का ढाबा एवं टाटा मोटर्स में कुल 136 लोगों की एक्स-रे जांच की गई। इस शिविर में एक्स-रे टीम के साथ जिला क्षय केंद्र की टीम एसटीएस श्री जय अहिरवार, टीबीएचव्ही श्रीमती पूर्णिमा परिहार, श्रीमती रानू वर्मा की सक्रिय सहभागिता रही।

बड़े हुए बिजली बिल, एवं विद्युत कटौती से परेशान किसान उतरे सड़क पर

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोहखेड़ के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। मोहखेड़ ब्लॉक सहित जाम फिडर क्षेत्र में हो रही बेतहाशा विद्युत कटौती एवं बढे हुए बिजली के बिल को लेकर जाम उमरानाला क्षेत्र के किसानो सहित मोहखेड़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियो की उपस्थिति में विद्युत मंडल कार्यालय उमरानाला मे ज्ञापन सौपा गया किसानों द्वारा बताया गया की बार-बार बिजली की कटौती हो रही है जिससे किसानों की मोटर जल रही है एवं किसानों की सिंचाई नहीं हो पा रही है जिससे किसान परेशान है साथ ही विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा किसानों के बिजली बिल को सीधे डबल कर दिया गया है जैसे 2 एचपी की मोटर का किसान से पांच एचपी एवं पांच एचपी का बिल 7 HP का वसूला जा रहा है किसानो की माली हालत खराब है इसके उपरांत भी विद्युत वितरण कंपनी किसानों पर कहर ढा रही है जाम क्षेत्र के किसानों ने जमकर सड़क पर प्रदर्शन किया सड़क पर रैली निकाली एवं ज्ञापन सोपा गया किसानो की समस्या हल ना होने पर 7 दिन के बाद किसानों द्वारा बड़ा आंदोलन ब्लाक कांग्रेस कमेटी मोहखेड के तत्वाधान में किया जाएगा कार्यक्रम में ब्लाक अध्यक्ष रघुवीर मोहने,जनपद सदस्य विजय गावंडे किशोर डोंगरे, मोरेश्वर घटकड़े गुलाब चौधरी रामकृष्ण चौरसिया अशोक फरकारे शिवराव गावंडे सूरज सोनघरे मनोज कड़वे महेश बनवारी चंचलेस अल्डक अतुल अल्डक रामाजी बुआडे बंटी फटींग नरसिंह साहू देवाजी मदनकर शशिकांत जामकर निशांत अल्ड़क ओमनारायण राजनकर कैलाश डोंगरे पंकज कुशनेकर गज्जू घोरके हितेश सोनारे पांडुरंग लोखंडे चंद्रशेखकर लिखितकर मित्रनंदन लोखंडे मनोज लोखंडे शुशील जामकर मानिक भावरकर अजय साहू एवं और भी बड़ी तादाद में किसान भाई एवं पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे,

मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर

छिंदवाड़ा। जिले के परासिया जनपद पंचायत मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत सोनापिपरी,मुनगा पाठा में आयोजित किया गया गांव के लोगों ने अपनी समस्या के आवेदन निराकरण हेतु पंचायत को दिया । शिविर के दौरान ग्राम पंचायत सोना पिपरी में 48 आवेदन ग्राम पंचायत मुनगा में 28 आवेदन प्राप्त हुए इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव श्यामलाल धुर्वे ने ग्रामीणों को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत विभागीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना ,आयुष्मान भारत योजना , मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन, पीएम सम्मान निधि आदि योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी इस जनकल्याण शिविर में ग्राम पंचायत सरपंच पार्वती डेहरिया, उपसरपंच राजकुमारी यदुवंशी, सहायक सचिन पवार, सोनू,ग्राम पंचायत मुनगा में सरपंच श्रीमती कीर्ति राकेश यादव सचिव विनोद मर्सकोले जनपद सदस्य कमलेश ऊईके सहित ग्राम वासी उपस्थित थे ।

सोशल मीडिया से

भोपाली नामकरण कला भोपाल की तहजीब को सलाम

श्रीकांत आप्टे

सबसे पहले डिस्क्लेमर। जरूरी है। इसे पढ़ने के बाद और बिना पढ़े भी किसी तलैया, बावड़ी या कुएं कि तली में पडी किसी की आत्मा या भावना को ठेस पहुंचाना हमारा मक़सद नहीं है। आजकल कहीं भी यहां तक कि कूड़े में पडी आत्मा या भावना इधर लिखा और उधर आहत हुई। औरों की क्या कहें, लेखकों विशेष कर स्वनामधन्य व्यंग्य लेखकों की आत्मा भी आहत होने के लिए उधार बैठी रहती है। अगर लेखक सेक्यूलर है तो कोढ़ में खाज समझिए।

इस रचना का उद्देश्य मनोरंजन के साथ पाठकों को अजब-गजब भोपाली नाम बताना भर है।

लेखक स्वयं किसी के रंगरूप, पोषाक या आदत का मखौल या बॉडी शेमिंग के सख्त खिलाफ है।

अब किस्सा शुरू-

- को खां, सलीम अध्दे आए थे क्या आपके कने?

- ÷मियां , जावेद चपटे के ठीये पर मिलेंगे वो। आजकल अक्सर वहीं मिलते हैं।

यह बातचीत पुराने भोपाल शहर के किसी मोहल्ले की चाय की दुकान की है। बाहरी आदमी जो भोपाली बातचीत के अंदाज से वाकिफ नहीं हैं वे यही सोचेंगे कि भोपाल के लोग बहुत बदतमीज हैं। किसी के रंगरूप, शारीरिक बनावट पोषाक आदि का मखौल बदतमीजी ही तो है। आजकल के अंग्रेजीदा इसे बॉडी शेमिंग कहते हैं।

लेकिन भोपालियों के बारे में यह राय सौ टका गलत है। भोपाल तो बहुत अदब और कायदे वाला शहर है। यहां के लोगों को तू ,तडाक् सख्त नापसंद है। किसी को मां,बहन की गाली भी देते हैं तो भी आपकी... कहते हैं।

शारीरिक बनावट पर नामकरण खालिस भोपाली कला है।इसीलिए जिन्हें चपटे,अध्दे जैसे नामों से नवाज़ा जाता है वे भी बुरा न मानकर उस नाम को कबूल कर लेते हैं। ये नाम ऐसे चिपक जाते हैं कि मां-बाप के दिए नाम से पुकारो तो भाईमियां सुनते ही नहीं।

चलिए आज आपका तआरुफ़ ऐसे ही कुछ अजब-गजब भोपाली नामों से करवाते हैं।

ऊपर जिन सलीम मियां का ज़िक्र हुआ है वे कद में पांच फुट से भी एकाध अंगुल कम हैं इसीलिए सलीम अध्दा कहलाते हैं। इन्हीं के मोहल्ले में एक और सलीम हैं, सामान्य कदकाठी के। वे सलीम सैंगे यानी पूरे कहलाते हैं। जावेद चपटे की चाय की दुकान से लगी एक पान की दुकान है। इत्तेफाक देखिए दुकान के मालिक एक और सलीम ही हैं। वे कद में छप्फुटिए हैं। भोपालियों की नामकरण कला में महारत का नमूना देखिए। इन्हें मोहल्ले वाले सलीम खजूर के नाम से बुलाते हैं। कोई कन्फ्यूजन नहीं कि किस समय किन सलीम मियां का ज़िक्र है।

नाम मधुर और कड़वे बोल या भेंगे नैना नाम सुनयना जैसा घपला पुराने भोपाल शहर में बिल्कुल नहीं चलता। यथा गुण, तथा नाम के सिध्दांत पर एकदम सटीक नामकरण करते हैं।

सलीम अध्दे की तलाश में जिन जावेद चपटे का ज़िक्र है उनके नाम का किस्सा सुनिए। उन्हें यह खिताब मोहल्ले वालों ने उनकी नाक के कारण दिया है जिसके बारे में किस्सा है कि छुटपन में जावेद मियां की नाक पर नवाब साहब के हाथी का पैर पड गया था। यह किस्सा जावेद मियां के मरहूम दादाजान का ही फैलाया हुआ था।

मरहूम दादाजान को भी मोहल्ले वाले चर्खी बुलाया करते थे। चर्खी, जिस पर पतंग का मांजा लपेटा जाता है। अविश्वसनीय किस्म के झूठ बोलने को भोपाली में कहते हैं लपेट-लपेट के देना। अक्सर ये झूठ बिना किसी खराब नीयत के मासूम से झूठ होते हैं। मियां भौत ही लपेट- लपेट के दे रिए हो, या मियां भौत हो गई अब लपेट लो, जैसे जुमले भोपाल में आपको कहीं भी और कभी भी सुनने मिल जाएंगे। एक मिसाल आपने देख ही ली। जावेद मियां की नाक पर हाथी का पैर पडा होता तो वे चपटे कहलाने के लिए जिंदा रहते क्या? हाथी के नीचे टैं बोल जाते। दादाजान चर्खी के शिकार के किस्से भी बहुत मशहूर था। उनके पास खिलौनों की दुकान पर भी मिलने वाली एक एयर गन थी जिसके लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं होती। बकौल दादाजान चर्खी, हम निहत्थे भिड़ गये शेर से और किसी अंग्रेज अफसर की जान बचाई। उसी ने खुश होकर तोहफे में दी थी बंदूक जो कभी किसी ने देखी नहीं थी।

दादाजान उसी एयर गन को लेकर शिकार के लिए जाया करते थे। शेर का शिकार उन्हें सख्त नापसंद था क्योंकि मुल्क में शेर बहुत कम बचे हैं। कहा करते थे, हमारे जैसे बचे ही कितने हैं। मोहल्ले का कोई मनचला लौंडा मजे लेने के लिए कह देता, खुदा कसम, आपके अलावा दूसरा शेर, मोहल्ला क्या शहर में नहीं कोई।

कटाक्ष, दादाजान की समझ से बाहर की चीज़ ठहरी। उनका किस्सा जारी रहता। हमें खरगोश का शिकार पसंद था जिसकी दो वजहें रहीं। पहली यह कि खरगोश का लज़ीज़ गोश्त हमारी बेगम को बहुत पसंद। दूसरी ये कि हम दौड़ने में खरगोश से भी तेज।खरगोश हार जाता बेचारा हमसे और कह देता, सरेंडर, अब मारो या छोड़ो।

दादाजान की चर्खी बहुत बड़ी थी। लपेटना चालू रहता, एक बार तो इतना बड़ा खरगोश हाथ आया कि आपकी कसम, घर में पांच किलो की देगची गोश्त से लबालब भर गई। इसके बाद भी पांच-सात किलो बचा रह गया। बेगम बोलीं मोहल्ले,पड़ोस में बांट दो। वे बेचारे भी खा लेंगे। खुदा झूठ न बुलवाए, मेहनत का शिकार बांटने का मन तो नहीं था। लेकिन बेगम का हुक्म था, क्या करते।

हमारे भोपाल शहर में दादाजान से भी बड़ी चर्खियां थीं और हैं।

दादाजान चर्खी के बाद एक और किस्सा सुनिए, अन्य मेहल्ले (मोहल्ले को भोपाली इसी तरह कहते हैं) के मियां गफूर का।

गफूर मियां का रंग ऐसा कि रंग चढ़े न दूजा। तिस पर पान की लाली से रंगे सुर्ख लाल होंठ। काले और लाल का अद्भुत कांबिनेशन।और वेषभूषा, माशाल्लाह क्या कहने। जालीदार लाल बनियान पर सफेद पैंट-शर्ट, सफेद जूते और आंखो पर काला चश्मा जिसे रात में लगाए रहते। काले-सफेद कंट्रास्ट का चलता,फिरता विज्ञापन। मेहल्ले वाले इन्हें गफूर काला पुकारते थे।

इत्तेफाक से मेहल्ले में एक और गफूर मियां थे जो गहरे रंग में गफूर काला के भी बाप लगते थे। अब ? अब इन्हें क्या कहकर पुकारा जाता था ? भोपालियों को नामकरण में हासिल कमाल से आप अभी भी अच्छे से वाकिफ नहीं हैं इसीलिए सवाल पूछा आपने। मेहल्ले वाले इन्हें गफूर अंधेरा के नाम से पुकारते थे।

हमारे पुराने भोपाल की पब्लिक को काले के अलावा भूरा रंग भी पसंद है।

खिजाब से चिढ़ के कारण सादिक भाई खोपड़ी और दाढ़ी के बाल मेहंदी से रंगने वाले सादिक भाई भूरा सादिक कहलाते थे।

जहीर मियां का नाम भी लगे हाथ जान लें। चेहरा एकदम सपाट। वे जहीर विदाउटप्लेट कहलाते थे। बिना फूटी कौड़ी कमाई के बाप के पैसे पर ऐश करने वाले रऊफ मियां ,रऊफ जोंक के नाम से मशहूर रहे।

ये तो बस चंद नमूने पेश किए हैं हमने।पुराने भोपाल शहर की गलियों में घूमिए। आपको कई वैरायटी के दसियों ऐसे नाम मिल जाएंगे। इसके पहले कि आप हमें भी कहने लगें कि मियां भौत हो गई लपेट लो, मैं इस रचना को यहीं लपेट रिया हूं।

युवा उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागी।

भोपाल के बड़े तालाब में डूबा है प्राचीन नगर..सांसद आलोक शर्मा ने दिल्ली में रखा पानी के अंदर सर्वे का प्रस्ताव

भोपाल। बड़े तालाब की अथाह जलराशि में एक प्राचीन नगर डूबा हुआ है। इस दावे के साथ भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने संसद की स्थायी समिति को एक प्रस्ताव दिया है। शहरी मामलों की स्थायी समिति की बैठक में शर्मा ने पानी के भीतर सर्वेक्षण कर इस धरोहर को सामने लाने की वकालत की है।

नई दिल्ली स्थित संसद भवन में हुई बैठक में सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि तालाब के किनारों पर दो बुर्ज और प्राचीन दीवारों के रूप में उस नगर के अवशेष अब भी मौजूद हैं। इसको लेकर वैज्ञानिक अध्ययन और खोज कराई जानी चाहिए, ताकि भोपाल की विरासत पर पड़ा पर्दा उठ सके।

भोपाल राजा-महाराजाओं की नगरी- सांसद आलोक शर्मा ने बताया कि भोपाल राजा-महाराजाओं की नगरी रही है। यहां 11वीं सदी की धरोहरें हैं। प्राचीन काल से ही इस शहर का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। इनका संरक्षण, संवर्धन और सुंदरीकरण किया जाना चाहिए।

बड़ा तालाब में ऐसी धरोहरों के अवशेष मौजूद हैं, जिनको लेकर कई वर्षों से दावे किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के साथ ही इतिहासकार भी समय-समय पर मांग उठाते रहे हैं। इसकी खोज होना बहुत जरूरी है।

शर्मा ने कहा कि कई पुरातत्वविद बताते हैं कि इसमें वैदिक नगर बसा हुआ था। गोंड कालीन किले की दीवारें व बुर्ज भी इसके किनारे पर दिखाई देते हैं। ऐसे में इसकी वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराना जरूरी है।

15 साल पहले एएसआई ने भी दिया था प्रस्ताव- बताया जा रहा है कि वर्ष 2009-10 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के भोपाल वृत्त ने तालाब में डूबे महल और किले के अवशेष की तलाश के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया था।इसमें मरीन आर्कियोलॉजी के विशेषज्ञों से पानी के भीतर सर्वे कराना था। विशेषज्ञों की उपलब्धता के अभाव में केंद्र स्तर पर यह प्रस्ताव मंजूर नहीं हुआ। बाद में यह ठंडे बस्ते में चला गया।

महर्षि मैत्री मैच श्रृंखला के दौरान मैच में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए पंडित विष्णु राजौरिया।

विनोद नागर को मिला मध्य प्रदेश लेखक संघ का हिन्दी सेवी सम्मान

भोपाल। राजधानी के वरिष्ठ लेखक, पत्रकार और स्तंभकार विनोद नागर को मध्य प्रदेश लेखक संघ ने वर्ष 2024 के अरविंद चतुर्वेदी स्मृति हिन्दी सेवी सम्मान से सम्मानित किया है।स्थानीय मानस भवन में आयोजित संस्था के 31 वें वार्षिक सम्मेलन और साहित्यकार सम्मान समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सुप्रसिद्ध साहित्यकार और रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे समारोह के मुख्य अतिथि और राज्य सूचना आयुक्त श्री उमाकांत पचौरी सारस्वत अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के पूर्व सांसद श्री रघुनंदन शर्मा ने की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश लेखक संघ के संरक्षक डॉ. रामवल्लभ आचार्य, अध्यक्ष श्री राजेंद्र गट्टानी, उपाध्यक्ष श्री ऋषि श्रृंगारी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। समारोह में बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आये साहित्यकार सम्मिलित हुए।

वर्ष 2024 में बालकवि बैरागी शिखर सम्मान प्राप्त श्री नागर गत वर्ष तुलसी साहित्य अकादमी (भोपाल) अखिल हिन्दी साहित्य सभा (अमरावती) साहित्य गंगा (जलगाँव) कादम्बरी (जबलपुर) जैसी अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी ने उन्हें वर्ष 2022 का नरेश मेहता सम्मान देने की घोषणा भी की है। विगत पाँच दशक से लेखन एवं पत्रकारिता में सक्रिय श्री नागर के छह खण्डों वाले रचना समग्र सहित कुल नौ पुस्तकें अभी तक प्रकाशित हो चुकी हैं।

मध्य प्रदेश के कर्मचारी बताएं अपनी प्रॉपर्टी, मोहन सरकार का फरमान, वरना होगी कर्रवाई

भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक मामले में सरकार की खूब किरकिरी हुई है. अब राज्य सरकार ने सभी कर्मचारी-अधिकारियों को समय सीमा में संपत्ति का ब्यौरा सौंपने का आदेश जारी कर दिया है. कर्मचारियों को 31 जनवरी तक अपना संपत्ति का ब्यौरा सरकार को सौंपना होगा. सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर अचल संपत्ति का ब्यौरा पेश करने की डेडलाइन तय कर दी है. समय सीमा में संपत्ति की जानकारी न देने वाले कर्मचारी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

बताना होता है अब तक कहां खरीदी जमीन

कर्मचारियों को निर्धारित फॉर्मेट में अचल संपत्ति की जानकारी देनी होगी है. इसमें बताना होता है कि वे किस पद पर हैं और उनकी कुल वेतनमान कितना है. किस जिले में पदस्थ हैं. सरकारी नौकरी में आने से लेकर अभी तक उनके और परिवार के सदस्यों के नाम से कितनी अचल संपत्ति उनके द्वारा क्रय की गई. अचल संपत्ति क्रय करते समय उसकी कीमत और वर्तमान की कितनी है. साथ ही संपत्ति से कितनी आय प्राप्त होती है.

वेबसाइट पर डालनी होती है जानकारी- मध्य प्रदेश में सभी कर्मचारी अधिकारियों को हर साल अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना अनिवार्य है. साल 2010 में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को इस संबंध में आदेश जारी कर कहा था कि सभी कर्मचारी अधिकारियों को अपनी अचल संपत्ति का हर साल ब्यौरा देना अनिवार्य है. इसके लिए विभाग द्वारा अचल संपत्ति की जानकारी के लिए फॉर्मेट भी जारी किया था. इस फॉर्मेट में ही कर्मचारी अधिकारियों को हर साल अपनी अचल संपत्ति घोषित करनी होती है. विभाग ने यह तमाम जानकारी विभागीय वेबसाइट पर जारी करने के निर्देश भी दिए थे. हालांकि कई विभागों द्वारा कर्मचारी अधिकारियों की संपत्ति का ब्यौरा विभाग की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के निर्देश का पालन नहीं किया जा रहा।

इटारसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र में फिर एक तेंदुए की मौत

नर्मदापुरम। इटारसी स्थित आयुध निर्माणी (ऑर्डिनेंस फैक्ट्री) क्षेत्र में फिर एक तेंदुए की मौत हो गई। सोमवार को सर्चिंग के दौरान तेंदुआ मृत अवस्था में मिला। दोपहर 12 बजे तेंदुए के मौत की सूचना वन विभाग को मिली। जिससे हड़कंप मच गया।

तेंदुआ के मौत की 4 दिन में दूसरी घटना है। चार दिन पहले भी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के पावर हाउस के पास बिजली के करंट लगने से मौत हो गई थी। घटना शाम करीब 5 बजे की है। रात में शव बागदेव चौकी पर लाकर उसका अगले दिन अंतिम संस्कार हुआ था। तेंदुआ के करंट की चपेट

में आने से मौत की पुष्टि भी हुई थी। मौत का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था, कि सोमवार को फिर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र में ही एक ओर तेंदुए के मृत मिलने की जानकारी आई।

सूचना मिलने पर रेंजर महेंद्र गौर, डीएफओ मयंक सिंह गुर्जर घटना स्थल पर पहुंचे। सीसीएफ अशोक कुमार चौहान भी कुछ देर से घटना स्थल पहुंचेंगे। तेंदुए की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक करीब 2, 3 दिन पुराना तेंदुए का शव है। फिलहाल में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

सीसीएफ अशोक कुमार चौहान ने बताया चार दिन पहले मादा तेंदुए की करंट से मौत हुई। जिसके बाद हमने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के पावरहाउस वाले उक्त क्षेत्र में सर्चिंग के निर्देश दिए थे, ताकि कही मादा तेंदुआ के बच्चे आसपास ओर न हो। इसलिए सर्चिंग कराई जा रही थी, इस बीच सोमवार को तेंदुआ मिला। तेंदुआ की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल जांच करवा रहे है।

अची स्माइल फाउंडेशन ने अपने सामाजिक कार्यों की परंपरा को जारी रखते हुए गरीब और बेसहारा लोगों को राहत प्रदान की। सोमवार को हमीदिया हॉस्पिटल कैंसर अस्पताल रेन बसेरा नादरा बस स्टैंड रेल्वे स्टेशन सहित सड़क के पथवे पर अपना जीवन ज्ञापन कर रहे गरीब लोगों को कार्यक्रम के मुख्यातिथि मध्य प्रदेश वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सनव्वर पटेल ने मरीजों के परिजनों को कम्मल वितरित किए। इस मौके पर संस्था के संस्थापक एडवोकेट अशरफ अली सचिव काज़ी नमीर उद्दीन ने इस मुहिम का नेतृत्व किया।

म प्र कर्मचारी मंच ने आर जी व्ही पी कुलपति को पांच सूत्रीय ज्ञापन सोपा

भोपाल। म प्र कर्मचारी मंच के प्रतिनिधि मंडल ने आज आर जी व्ही पी कुलपति प्रो राजेंद्र त्रिपाठी को पांच सूचीय मागो ज्ञापन सोपा प्रतिनिधि मंडल में अशोक पांडे प्रांताध्यक्ष अमर अहिरे समिति अध्यक्ष एवं सुश्री साजली इजहार महामंत्री शामिल थे।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि कुलपति की समक्ष प्रतिनिधि मंडल ने कर्मचारी हितैषी 5 सूत्रीय मांगों को रखा जिसमें स्थाई कर्मियों में नियमित करने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने अकुल श्रमिकों का श्रेणी परिवर्तन करने 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने एवं स्थाई कर्मियों को सरकारी कर्मचारी की समान अवकाश सुविधा का लाभ देने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में अनुकंपा नियुक्ति देने की मांगों को प्रमुखता के साथ रखा तथा कर्मचारी मंच ने विश्वविद्यालय कुलपति को 15 जनवरी 2025 तक मांगों को पूरा करने का लिखित पत्र सोपा है चर्चा के बाद कुलपति ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया है कि अतिशीघ्र ही मागो का सकारात्मक निर्णय किया जाएगा।

कांग्रेस की बैठकों को लेकर कमलनाथ नाराज, बोले-मुझसे कुछ पूछा नहीं जाता, दिग्विजय ने कहा- मैं कमलनाथ की बात से सहमत

भोपाल। पूर्व सीएम कमलनाथ ने प्रदेश कांग्रेस संगठन से नाराजगी जताई है। उन्होंने भरी मीटिंग में कहा कि मुझसे कुछ पूछा नहीं जाता। मीटिंग की सूचना भी नहीं दी जाती। कमलाथ की इस बात का पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने भी समर्थन किया।

दरअसल, कांग्रेस 26 जनवरी को महू में जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली का आयोजन करने जा रही है। इसी की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम मध्यप्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की वर्चुअल मीटिंग हुई। जिसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत

कमेटी के तमाम सदस्य जुड़े थे।

कमलनाथ बोले- बिना पूछे नियुक्तियां हो रहीं- वर्चुअल मीटिंग में पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा- आजकल ऐसा चल रहा है कि नियुक्तियों में मुझसे पूछा तक नहीं जाता। भले किसी के कहने से किसी की नियुक्ति हो न हो, लेकिन सीनियर्स से चर्चा करनी चाहिए। बैठकों की मुझे कोई सूचना नहीं दी जाती। अखबारों से पता चलता है कि कांग्रेस की बैठक थी।

मैं कमलनाथ की बात से सहमत- दिग्विजय सिंह- कमलनाथ की बात पर दिग्विजय सिंह ने भी कहा कि मैं भी कमलनाथ जी की बात से सहमत हूं। बिना एजेंडे के बैठकें बुला ली जाती हैं। वॉट्सऐप पर भेजे एजेंडा पर उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जी 6 बजकर 31 मिनट पर एजेंडा मिला है। अब मैं मोबाइल से मीटिंग में जुड़ा हूं तो एजेंडा कैसे देखूं। मीनाक्षी नटराजन ने भी कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की बात का समर्थन किया।

पटवारी बोले-सबकी राय से फैसले लिए जा रहे

सीनियर नेताओं की बात पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सबकी राय से ही फैसले लिए जा रहे हैं। कमलनाथ जी से मैं खुद अलग से बात कर लूंगा। प्रवक्ताओं की नियुक्तियों का गलत पत्र जारी हो गया था, उसे तुरंत निरस्त भी कर दिया था।

रैली 26 जनवरी से आगे बढ़ाई जाए

बैठक में कमलनाथ समेत कुछ अन्य नेताओं ने कहा कि 26 जनवरी को सब जगह आयोजन होते हैं। ऐसे में सभी लोगों अपने-अपने क्षेत्रों के कार्यक्रमों में भी व्यस्त रहते हैं। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी 26 जनवरी को आने में दिक्कत होगी। हालांकि, बैठक में ये कहा गया कि तारीख एआईसीसी से तय की गई है। ऐसे में बदलाव को लेकर निर्णय राष्ट्रीय स्तर से ही हो सकता है।